प्रसार भारती
PRASAR BHARATI
Broadcasting Corporation of India

वार्षिक लेखे
2000-01
Annual Accounts
2000-01

PRASAR BHARATI

द्वितीय तल, पी टी आई भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली 110001
2nd floor, PTI Building, Parliament Street, New Delhi 110001

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
पी0टी0आई0 भवन, दूसरा तल,
संसद मार्ग,
नई दिल्ली-110001

PRASAR BHARATI
(Broadcasting Corporation of India)
P.T.I. Building, 2nd Floor,
Sansad Marg,
New Delhi-110 001

लेखा परीक्षा रिपोर्ट

AUDIT REPORT

2000-01

प्रसार भारती
(भारतीय प्रसारण निगम)
पी0टी0आई0 भवन, दूसरा तल,
संसद मार्ग,
नई दिल्ली-110001

PRASAR BHARATI
(Broadcasting Corporation of India)
P.T.I. Building, 2nd Floor,
Sansad Marg,
New Delhi-110 001

लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं अन्तिम लेखा

AUDIT REPORT & FINAL ACCOUNTS

2001-02

लेखा परीक्षा की गई

कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा
केन्द्रीय राजस्व,
इन्द्र प्रस्थ इस्टेट
नई दिल्ली-110002

ACCOUNTS AUDITED BY

DIRECTOR GENERAL OF AUDIT
CENTRAL REVENUE
INDRAPRASTHA ESTATE
NEW DELHI-110001

कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली - 110 002
INDRAPRASTHA ESTATE, NEW DELHI - 110 002

क्रमांक / No.ए.एम.जी.II/एस.ए.आर./पी.बी./2004-05/ दिनांक / DATED .....

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय,
ए, विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली।

विषयः वर्ष 2000-01 के लिए प्रसार भारती, नई दिल्ली पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

मैं प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम), नई दिल्ली के वर्ष 2000-01 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की हिन्दी प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करती हूँ।

संसद को प्रस्तुत दस्तावेजों की दो प्रतियाँ, उस तिथि को दर्शाते हुए जब ये संसद को प्रस्तुत किए गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया पावती भेजें।

संलग्नकः यथोपरि

भवदीया,

निदेशक (ए.एम.जी.II)

दूरभाष : 23454100, फैक्स : 011-23702271 नई दिल्ली • Telephone : 23454100, Fax : 011-23702271 New Delhi

16 MAY 2005

सं.ए.एम.जी.।।/एस.ए.आर./पी.बी./2004-05/ 255 दिनांकः 13.05.05

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की हिन्दी प्रति सहित श्री एन समाती, लेखा नियंत्रक एवं महाप्रबंधक, प्रसार भारतीय (भारतीय प्रसारण निगम) पी.टी.आई. बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110 001 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है। प्रमाणित वार्षिक लेखे के हिन्दी की पाँच प्रतियाँ शीघ्रातिशीघ्र इस कार्यालय को भेजी जाएँ।

संसद को प्रस्तुत दस्तावेजों की दो प्रतियां, उस तिथि को दर्शाते हुए जब वे संसद को प्रस्तुत किए गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाएं।

निदेशक (ए.एम.जी.।।)

ए.एम.जी.।।/एस.ए.आर./पी.बी./2004-05/ दिनांकः 16 MAY 2005

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिदेन तथा लेखापरीक्षा प्रमाण-पत्र की हिन्दी प्रति सहित श्री बी.के.सेठी, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी (रिपोर्ट-ए बी) भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110 002 को अग्रेषित की जाती है।

यह पत्र म.नि.ले.प.के.रा. के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

निदेशक (ए.एम.जी.।।)

वर्ष 2000-01 के लिए प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) नई दिल्ली के लेखाओं पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

प्रस्तावना

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम), भारत के राजपत्र संख्या 643 दिनांक 23.11.1997 में अधिसूचित संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था। निगम के मुख्य उद्देश्य है:-

- जनता को सूचना, शिक्षा एवं मनोरंजन हेतु लोक प्रसारण सेवाओं का आयोजन एवं संचालन करना एवं रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारण का संतुलित विकास सुनिश्चित करना;
- देश की एकता एवं अखंडता को संभालना और संविधान के मूल्यों को प्रतिस्थापित करना;
- राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय लोकहित के सभी मामलों पर स्वतन्त्रतापूर्वक, सत्यनिष्ठा तथा निष्पक्ष रूप से नागरिकों के हितों की सुरक्षा करना तथा विरोधी विचारों के विषय में इनकी अपने मत या विचार धारा का समर्थन न करके उनको सम्मिलित करके सूचनाओं के उचित व सन्तुलित प्रवाह को प्रस्तुत करना;
- शिक्षा और साक्षरता फैलाना, कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेष ध्यान देना;
- खेलकूद और क्रीड़ा को पर्याप्त रूप से आवृत्त करना जिससे कि स्वस्थ मुकाबले और क्रीड़ा-कौशल की भावना को प्रोत्साहित किया जा सके;
- विभिन्न स्तरों पर प्रसारण के अतिरिक्त चैनल स्थापित करके प्रसारण सुविधाओं का विस्तार करना।

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम), जिसके दो सहयोगी खंड क्रमशः आकाशवाणी और दिल्ली दूरदर्शन हैं, ने 1.4.2000 से अपने कार्य कलाप प्रारम्भ किया है। इन दो खंडों के दिन प्रतिदिन की प्राप्ति एवं भुगतानों के लेन-देन मूलतः लगभग 600 आ.स. कार्यालयों के द्वारा निष्पादित किये जाते हैं। 22.5.2000 को संघ सरकार और प्रसार भारती के बीच शुरू हुए समन्वयन के ज्ञापन के अनुसार प्रसार भारती ने 2000-01 से परिवर्तन करके नई लेखा पद्धति अपनायी। इससे पहले प्रोफार्मा लेखे आकाशवाणी और दिल्ली दूरदर्शन खण्डों द्वारा तैयार किये जाते थे। 2000-01 के लेखे पहली बार पूरे भारतवर्ष में फैली हुई निगम की सभी इकाईयों के लेखों की समेकित स्थिति दर्शाते हैं।

नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्त्तव्य, शक्तियाँ और सेवा शर्तें) अधिनियम 1971, के अनुच्छेद 19 (2) तथा प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) अधिनियम 1997 के अनुच्छेद 21 (3) के अन्तर्गत प्रसार भारती के लेखाओं की लेखापरीक्षा की जाती है।

प्रसार भारती मुख्यतः भारत सरकार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से सहायता अनुदान एवं ऋणों से वित्तपोषित होती है। निगम ने वर्ष 2000-01 के दौरान भारत सरकार से कुल 960.90 करोड़ रू. का अनुदान एवं 139.30 करोड़ रू. का ऋण प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त निगम ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों से 1.41 करोड़ रू. का सहायता अनुदान

प्राप्त किया। निगम ने इस वर्ष के दौरान 620.18 करोड़ रू. की वाणिज्यिक प्राप्तियाँ और 8.04 करोड़ रू. की गैर वाणिज्यिक प्राप्तियाँ सृजित कीं।

लेखाओं पर टिप्पणियाँ

2. तुलन पत्र

2.1 देयताएं

2.1.1 चालू देयताएं और प्रावधान (अनुसूची-7)

(क) चालू देयताएं: निक्षेप निर्माण कार्य के प्रति प्राप्त अग्रिम: 15.03 करोड़ रू.

आहरण एवं संभरण अधिकारियों द्वारा जमा निर्माण कार्य के रूप में प्राप्त राशि में से किये गये भुगतान, प्राप्तियों से अधिक दर्शाये गये थे। परिणामस्वरूप वर्तमान देयताओं में 3.06 करोड़ रू. के ऋणात्मक शेष सम्मिलित थे, जो कि फलस्वरूप उस राशि की देयता कम करके दर्शायी गयी थी। ऋणात्मक शेष का वेतन एवं लेखाअधिकारियों-वार विवरण निम्नलिखित है:-

(रूपये)

पी.ए.ओ. का नाम	आरम्भिक बकाया	प्राप्तियाँ	भुगतान	अन्तिम बकाया
पी.ए.ओ., आकाशवाणी, मुंबई	-	—	5400489	(-) 5400489
पी.ए.ओ., आकाशवाणी, कोलकाता	-	3288501	28449426	(-) 25160925
			कुल	**(-) 30561414**

प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि पी.ए.ओ. आकाशवाणी, मुंबई और पी.ए.ओ., कोलकाता के प्रति ऋणात्मक बकाया, 1.4.2000 से पूर्व प्राप्त जमा सरकारी लेखों में पड़ी होने और प्रसार भारती को आवंटित न किये जाने के कारण थे।

मामला सम्बन्धित पी.ए.ओ. से जमा को सरकारी लेखों से प्रसार भारती लेखे में अन्तरित करने के लिए आगे बढ़ाया जा रहा था ।

(ख) चालू देयताएं - जमा, बयाना राशि, जमानती राशि/सुरक्षा जमा 96.20 लाख रू.

उपरोक्त देयता 1.15 करोड़ रू. तक कम दर्शायी गई थी क्योंकि इसमें निम्नलिखित पी.ए.ओ. से सम्बन्धित ऋणात्मक शेष सम्मिलित थे:-

(रूपये)

पी.ए.ओ. का नाम	आरम्भिक बकाया	प्राप्तियाँ	भुगतान	अन्तिम बकाया
पी.ए.ओ., आकाशवाणी, चेन्नई	-	7030061	11088063	(-) 4058002
पी.ए.ओ., दिल्ली दूरदर्शन, चेन्नई	-	-	3915720	(-) 3915720
पी.ए.ओ., आकाशवाणी, कोलकाता	-	-	3539050	(-) 3539050
			शेष	**(-)11512772**

प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि पी.ए.ओ. के प्रति ऋणात्मक इस कारण से हो सकती है कि सरकारी खाते में पड़ी हुई स.ज./ब.रा. वापस नहीं की गई है। इस विषय पर सम्बन्धित

पी.ए.ओ. से सरकारी लेखे से प्रसार भारती लेखे में जमा के अन्तरण हेतु मामला आगे बढाया जा रहा है।

(ग) **अन्य चालू देयताएं - भुगतान योग्य वेतन एवं मजदूरी, उपर्जित खर्चे, भुगतान योग्य लाइसेंस शुल्क, भुगतान योग्य पूंजीगत व्यय इत्यादिः 17 करोड़ रू.**

उपरोक्त में निम्नलिखित शामिल हैः-

(i) आयकर विभाग में जमा कराने हेतु स्टेशन निदेशकों से आयकर के रूप में वसूल किये गये 72.86 लाख रू. आयकर अधिनियम के प्रावधानों के विरूद्ध जमा नहीं कराये गये थे। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि पी.ए.ओ. आकाशवाणी चेन्नई एवं कोलकाता ने 2000-01 में 72.86 लाख रू. के आयकर विभाग को लेखाओं के समय पर परिपूर्ण न होने के कारण कम प्रेषित किये गये। यद्यपि यह धनराशि परवर्ती महीनों में प्रेषित की गई थी।

(ii) 50.81 लाख रूपये आकाशवाणी के स्टाफ के मकान किराये/लाइसेंस शुल्क से सम्बन्धित थे। इसी खाते से 71.25 लाख रू. की प्राप्ति में से मुख्यालय को प्रेषित किए गए 20.44 लाख रूपये की धनराशि घटाने के बाद उपरोक्त देयता निकाली गई थी। क्योंकि यह देयता किसी भी बाहरी ऐजन्सी/पार्टी को भुगतान नहीं की जानी थी, 71.25 लाख रूपये की सम्पूर्ण राशि प्रसार भारती की आय के रूप में दर्शायी जानी चाहिए थी। इसके परिणामस्वरूप देयता 50.81 लाख रू. से अधिक दिखाई गई थी और आय 71.25 लाख रू. से कम दर्शाई गई थी। प्रसार भारती ने इसे भविष्य में अनुपालन के लिए नोट कर लिया (नवम्बर 2004)।

(iii) आय और व्यावसायिक कर सहित सरकार की ओर से वसूलियों से सम्बन्धित 18.93 लाख रू. सहित जो कि सरकारी खाते में प्रेषित होने थे निम्नलिखित पी.ए.ओ. द्वारा 31.3.2001 तक प्रेषित नहीं किये गयेः-

क्र.सं.	पी.ए.ओ. का नाम	देयता प्रभारित नहीं की गई (रूपये)
1.	पी.ए.ओ., आकाशवाणी, नई दिल्ली	49,13,310
2.	पी.ए.ओ., आकाशवाणी, लखनऊ	3,77,009
3.	पी.ए.ओ., आकाशवाणी, कोलकाता	11,11,93,747
4.	पी.ए.ओ., दूरदर्शन, गुवाहाटी	6,44,78,364
5.	पी.ए.ओ., दूरदर्शन, नागपुर	3,96,544
6.	पी.ए.ओ., आकाशवाणी, मुंबई	9,66,016
7.	पी.ए.ओ., एफ डी, मुंबई,	69,31,564
8.	पी.ए.ओ., दिल्ली दूरदर्शन, कोलकाता	30,952
	कुल	**18,92,87,506**

प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि सरकार की ओर से की गई 18.93 करोड़ की वसूलियां अनुवर्ती महीनों में सरकारी खाते में भेज दी गई थी।

(iv) सरकार की ओर से की गई वसूलियों के प्रेषण वसूलियों की राशियों से अधिक थे जिसके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं। जो लेखाओं में गलत वर्गीकरण तथा प्राप्तियों/वसूलियों को लेखाबद्ध न करने को दर्शाती है। जिसके परिणामस्वरूप 3.18 करोड़ रू. की देयताएं कम दर्शाई गई।

(रू.)

पी.ए.ओ. का नाम	लेखा शीर्ष	प्राप्तियाँ	भुगतान	अन्तिम बकाया
पी.ए.ओ., दिल्ली दूरदर्शन, नई दिल्ली	ठेकेदार से आयकर	—	1,44,78,228	(-) 1,44,78,228
पी.ए.ओ., आकाशवाणी, चेन्नई	ठेकेदार से आयकर	—	13,33,550	(-) 13,33,550
पी.ए.ओ., दिल्ली दूरदर्शन, चेन्नई	सरकार की ओर से वसूलियाँ	11,72,00,080	12,88,94,606	(-) 1,16,94,526
पी.ए.ओ., आकाशवाणी, कोलकाता	ठेकेदार से आयकर	—	39,84,661	(-) 39,84,661
पी.ए.ओ. दिल्ली दूरदर्शन, कोलकाता	सरकार की ओर से वसूलियाँ	7,66,97,349	7,69,99,614	(-) 3,02,265
			कुल	**(-)3,17,93,230**

(घ) प्रावधानः शून्य रू.

(i) इसमें 4258.08 करोड़ रू. के सरकारी ऋण पर 7 प्रतिशत की दर से 298.07 करोड़ रू. का ब्याज शामिल नहीं था। यह मामला प्रसार भारती द्वारा सरकार के साथ माफ करने हेतु (अनुसूची 25 की टिप्पणी 5) आगे बढ़ाया गया है। अभी तक सरकार ने प्रसार भारती के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया है।

(ii) इसमें 139.30 करोड़ रू. के सरकारी ऋण पर 14.5 प्रतिशत के ब्याज की दर से 12.66 करोड़ रूपये का ब्याज शामिल नहीं था। इस ऋण को ब्याज मुक्त करने का प्रसार भारती का अनुरोध सरकार ने अभी तक (नवम्बर 2004) स्वीकार नहीं किया है।

2.2 परिसम्पत्तियाँ

2.2.1 अचल सम्पत्ति (अनुसूची 8) 4616.94 करोड़ रू.

प्रसार भारती के 31.3.2001 के तुलन पत्र में 4616.94 करोड़ रूपये मूल्य की परिसम्पत्तियाँ निम्नलिखित शीर्षों के अन्तर्गत दर्शायी गई है।

क्र.सं.	शीर्ष	राशि (रूपयों में)
1.	संयंत्र/मशीनरी एवं उपकरण	
	(क) प्रसारण स्थल	1535,96,07,467
	(ख) संचारी	2250,82,62,985
	(ग) अन्य	14,76,42,787
2.	वाहन	3,07,260
3.	फर्नीचर और फिक्सचर	63,68,069
4.	कार्यालय उपकरण	100,11,744
5.	अन्य अचल परिसम्पत्ति - विभिन्न योजनाओं पर पूँजीगत व्यय	813,71,79,165
	योग	**46,16,93,79,477**

सामान्य वित्तीय नियमों के अन्तर्गत, फार्म सा.वि.नि.19 में अनुरक्षित किये जाने वाले अपेक्षित कोई भी केन्द्रीय सम्पत्ति रजिस्टर प्रसार भारती द्वारा अनुरक्षित नहीं किये गये थे। सम्पत्ति रजिस्टर के अभाव में 4616.94 करोड़ रू. के मूल्य की सम्पत्ति की औचित्यता लेखापरीक्षा द्वारा सत्यापित नहीं की जा सकी। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि परिसम्पत्तियों की राशि में प्रसार भारती को 'स्थायी ऋण' के रूप में स्थानांतरित की गई परिसम्पत्ति भी शामिल है। जिसकी औचित्यता प्रोफार्मा लेखों के पूरे होने पर ही सत्यापित की जायेगी।

(ii) 31.3.2001 को समाप्त वर्ष के तुलन पत्र के साथ संलग्न अचल सम्पत्ति की अनुसूची 8 में निम्नलिखित लेखा शीर्षों के अन्तर्गत 4258.08 करोड़ रू. का अथ शेष दिखाया गया है।

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	राशि (रूपयों में)
1.	प्रसारण कक्ष	14,49,69,92,000
2.	ट्रांसमीटर	20,45,87,25,000
3.	अन्य	14,33,54,000
4.	अन्य अचल परिसम्पत्ति पूँजीगत व्यय	7,48,17,31,000
	कुल	**42,58,08,02,000**

उपरोक्त परिसम्पत्तियाँ, मुख्य लेखा नियंत्रक के पत्र संख्या सी.सी.ए./आई.एण्ड बी./2002 दिनांक 3.9.02 द्वारा संघ सरकार के द्वारा स्थानांतरित परिसम्पत्तियों को दर्शाती है। वर्ष 1999-2000 के प्रोफार्मा लेखाओं के पूर्ण न हो पाने से आंकड़ों की औचित्यता लेखापरीक्षा द्वारा सत्यापित नही की जा सकी। प्रसार भारती ने सूचित किया (मार्च 2004) कि आकाशवाणी ने केवल 1993-94 तक और दूरदर्शन ने 1996-97 तक प्रोफार्मा लेखे पूरे कर लिए हैं। प्रसार भारती ने आगे बताया (नवम्बर 2004) की अथ शेषों की सत्यता प्रोफार्मा लेखें के सम्पूर्ण होने से सम्बंधित थी, अब प्रबन्धन समिति ने प्रोफार्मा लेखाओं को पूरे करने हेतु फरवरी 2005 तक समय लक्ष्य निर्धारित किया है।

(iii) अचल परिसम्पत्ति 4616.94 करोड़ रू.

उक्त में 31.3.2001 को समाप्त होने वाले वर्ष के प्रसार भारती के प्राप्ति और भुगतान लेखों के भुगतान पक्ष में भण्डार पर खर्चे शीर्ष के अन्तर्गत 51.46 लाख रूपये की ऋणात्मक प्रविष्टि का प्रभाव सम्मिलित है। उपरोक्त प्रविष्टि गलती से दर्ज हो गई थी और उसका विस्तृत विवरण निगम कार्यालय के पास उपलब्ध नहीं था। क्योंकि भंडार पर खर्चे शीर्ष के अंतर्गत 51.46 लाख रूपये की प्रविष्टि गलती से हो गई थी इसके फलस्वरूप तुलनपत्र में इसका तदनुरूपी प्रभाव यह हुआ कि अचल परिसम्पत्तियाँ 51.46 लाख से कम दर्शाई गई थी। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि इस विषय पर सम्बन्धित पी.ए.ओ. से गलती को सुधारने के लिए सम्पर्क किया गया है।

2.2.2 विविध देनदारः शून्य रू.

इसमें 31.3.2001 को विभिन्न पार्टियों से प्राप्य राशि सम्मिलित नहीं की गई जिसका विवरण यूनिट से एकत्रित नहीं किया गया और न ही एकीकृत/समेकित कर लेखा प्रस्तावों में दर्ज करके प्रसार भारती के अन्तिम लेखाओं में सम्मिलित किया गया था। प्रसार भारती द्वारा उपलब्ध कराई सेवाओं के बदले में विभिन्न पार्टियों से वसूली योग्य राशि परिकलित और लेखाओं में प्राप्ति योग्य के रूप में दर्शाई जानी चाहिये। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि क्योंकि लेखे रोकड़ आधार पर बनाए जा रहे थे, विभिन्न देनदारों को, लेखों पर टिप्पणी में शामिल किया जायेगा।

2.2.3 चालू परिसम्पत्तियां, ऋण और अग्रिम आदि (अनुसूची-11)

(क) चालू परिसम्पत्तियाँ - अनुसूचित बैंकों में शेष - चालू खातों में 66.11 करोड़ रूपये एवं संग्रहण खातों में: 2.08 करोड़ रू.

(i) वर्ष 2000-01 में प्रसार भारती द्वारा निम्नलिखित बैंक खाते परिचालित किये जा रहे थे। तथापि कारपोरेट मुख्यालय ने संबंधित लेखांकन अभिलेखे जैसे कि खातानुसार रोकड़ पुस्तक, लेखानुसार लेजर, दैनिकी पुस्तक, सामान्य खाता, लेखानुसार मासिक बैंक समाधान विवरणी आदि अनुरक्षित नहीं किये थे। बैंक समाशोधन नहीं किया गया था और असमाशोधित आंकड़े अन्तिम लेखों में शामिल कर दिये गये। निम्नलिखित बैंक खातों में शेषों के असमाशोधित और अपेक्षित लेखा रिकार्ड के अनुरक्षण न करने के तथ्यों को तुलनपत्र के साथ संलग्न, टिप्पणी के रूप में भी स्पष्टतया नहीं दर्शाया गया था।

क्र.सं.	बैंक का नाम	चालू खाता सं.	लेखे का नाम	संयुक्त रूप से परिचालित
1.	केनरा बैंक	1657	खेल लेखे (प्राप्ति लेखा)	जी.एम.(बी.और ए.)एवं जी.एम. (पी.)
2.	केनरा बैंक	1730	व्यय लेखा	जी.एम.(बी.और ए.)एवं जी.एम. (पी.)
3.	भारतीय स्टेट बैंक	578651	व्यय लेखा	जी.एम.(बी.और ए.)एवं जी.एम. (पी.)
4.	भारतीय स्टेट बैंक	01000503122	प्राप्ति लेखा	जी.एम.(बी.और ए.)एवं जी.एम. (पी.)
5.	भारतीय स्टेट बैंक	01000503120	प्राप्ति लेखा	जी.एम.(बी.और ए.)एवं जी.एम. (पी.)

प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि एस.बी.आई. में दो प्राप्तिलेखों के सम्बन्ध में बैंक समाशोधन कर लिया गया था। अन्य लेखों के सम्बन्ध में यह प्रगति में था।

(ii) बैंक शेष (क) अनुसूचित बैंकों में चालू खातों में 66.11 करोड़ रू.

(क) उक्त में प्रसार भारती के प्राप्ति एवं भुगतान लेखों में 'खेल लेखे' (सी.बी.-1657) शीर्ष के अन्तर्गत दर्शाये गये 8.16 करोड़ रूपये शामिल थे। इस (8.16 करोड़ रूपये) में 812500 यू.एस. डालर जो कि 3.71 करोड़ रूपये के बराबर है, शामिल है। प्रबंधकों ने उपरोक्त बैंक खातों में शेष का समाधान, प्राप्ति एवं भुगतान लेखों में दर्शाई गई राशि से नहीं किया था जिसके परिणामस्वरूप अन्तिम शेष में 3.09 करोड़ रू. का अन्तर आ गया, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:-

खेल लेखा शीर्ष के अंतर्गत लेखे के अनुसार अन्तिम बकाया (विदेशी मुद्रा में बकाया सहित)	रू. 8,15,74,854
बैंक विवरणी के अनुसार अन्तिम बकाया (विदेशी मुद्रा में बकाया सहित)	रू. 5,06,89,954
अन्तर	**रू. 3,08,84,900**

इस प्रकार 'खेल खाते' में अन्तिम बकाया को 3.09 करोड़ रूपये अधिक दर्शाया गया था। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि दूरदर्शन वाणिज्य सेवा ने 8.16 करोड़ रूपये के बकायों की पुष्टि कर दी है। उत्तर तर्कसंगत नहीं है क्योंकि बैंक द्वारा इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

(ख) इसमें पी.ए.ओ. आकाशवाणी, नई दिल्ली के 20 डी.डी.ओ. के बैंक खातों के व्यय के संबंध में बैंक शेषों के त्रुटिपूर्ण स्वीकृति के कारण 10.84 करोड़ रूपये शामिल नहीं थे जिसके परिणाम में

अनुसूचित बैंकों में चालू खातों में बैंक शेषों को उतना ही कम दर्शाया गया। पी.ए.ओ., आकाशवाणी, नई दिल्ली के क्षेत्राधिकार में आने वाले 85 डी.डी.ओ. में से किसी ने भी उनके द्वारा अनुरक्षित बैंक खाता के सम्बन्ध में बैंक समाधान विवरणी प्रस्तुत नहीं की थी। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि यह मामला पी.ए.ओ., आकाशवाणी के साथ पत्राचार के अधीन है।

(ख) अन्तिम शेष बैंक- अन्य कार्यालयः 132.60 करोड़ रूपये

बैंक द्वारा उपलबध कराये गये खाता विवरणी से पुस्तक में बैंक शेष की विशुद्धता को जाँचने हेतु किसी भी तिथि पर पास बुक के शेष के रोकड़ पुस्तिका के बैंक कालम में दर्शाये गये शेषों से आवश्यक रूप से मिलने चाहिए। प्रसार भारती ने अपने परिपत्र सं. पी.बी.(बी.)(i) डी.जी.एम. (बी.एण्ड ए.) दिनांक 20.3.01 द्वारा अनुदेश जारी किये थे तथा मासिक आधार पर बैंक समाधान विवरणी को तैयार किये जाने एवं प्राप्ति एवं भुगतान लेखों के साथ भेजने की आवश्यकता पर जोर दिया था। लेखापरीक्षा द्वारा अवलोकित किया गया कि किसी भी वेतन एवं लेखा कार्यालय ने वर्ष 2000-01 की बैंक समाधान विवरणी प्रस्तुत नहीं की थी। इस कारण बैंक खाते में दर्शाये गये 132.60 करोड़ रू. के बैंक शेषों की औचित्यता को सत्यापित नहीं किया जा सका। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि सुधारात्मक उपाय किये जायेंगे।

(ग) चालू परिसम्पत्तियाँः बैंक शेष-(बी.) मुख्यालयों/डी.डी.ओ. से/को प्रेषित ट्रांजिट मेंः 19.11 करोड़ रू.

प्रसार भारती के वर्ष 31.3.2001 को समाप्त वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान लेखों के प्राप्ति पक्ष में अन्तिम शीर्ष के अन्तरण के लिए प्रतिक्षित प्राप्तियों की 1.40 करोड़ रूपये की ऋणात्मक रोकड़ राशि शामिल है। उपरोक्त शीर्ष के अधीन दर्शायी गयी (-)1.40 करोड़ रूपये की राशि निम्नलिखित पी.ए.ओ. से संबंधित है तथा निम्न प्रकार परिकलित की गयी हैः

पी.ए.ओ. का नाम	लेखा शीर्ष	राशि (रूपये)
पी.ए.ओ., आकाशवाणी, चेन्नई	डी.डी.एस. एंड डी. को भुगतान किये गये अग्रिम का समायोजन	(-) 1,53,56,010
पी.ए.ओ., आकाशवाणी, कोलकाता	-वही-	(+) 13,40,542
कुल		**(-) 1,40,15,468**

इस ऋणात्मक राशियों के निपटान न करने के परिणामस्वरूप चालू परिसम्पत्तियाँ को, मुख्यालय/डी.डी.ओ. को/से मार्गस्थ प्रेषण में 1.40 करोड़ रू. से अधिक दर्शाया गया था। तथापि प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि यह मामला संबंधित पी.ए.ओ. के साथ विचाराधीन है।

(घ) ऋण/अग्रिम-अन्यः 60.29 लाख रू.

इसमें अन्य दलों को अदा किये 59.93 लाख रू. के अग्रिम सम्मिलित थे जिसमें ऋणात्मक शेष शामिल थे। इसके परिणामस्वरूप 9.27 लाख रूपये के अग्रिमों को कम दर्शाया गया था। पी.ए.ओ. वार ऋणात्मक शेषों का विवरण नीचे दिया गया है:-

(रूपये)

क्र.सं.	पी.ए.ओ. का नाम	अदा किये गये अग्रिम	वर्ष के दौरान वसूली/समाधान	अन्त शेष
1.	पी.ए.ओ., आकशवाणी, चेन्नई	6,10,804	11,83,515	(-) 5,72,711
2.	पी.ए.ओ., आकाशवाणी, मुंबई	-	3,53,957	(-) 3,53,957
	कुल			(-) **9,26,668**

प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि दोनो पी.ए.ओ. को त्रुटियों का समाधान करने के लिए कहा जा रहा था।

(ड़) चालू परिसम्पत्तियाँ-बैंक बकाया-(क) अनुसूचित बैंकों के साथ-जमा खातों पर (केनरा बैंक): 64.48 करोड़ रू.

इसमें प्रसार भारती द्वारा केनरा बैंक में स्थायी जमाओं के रूप में निवेशित किये गये 43 करोड़ रूपये शामिल थे। प्रसार भारती 43 करोड़ रूपये के स्थायी जमा के संबंध में अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सकी और न ही इसने अर्जित ब्याज के ब्यौरे प्रस्तुत किये जिसके अभाव में खाते में 43 करोड़ रूपये के स्थायी जमा की लेखापरीक्षा में जाँच नहीं की जा सकी। इसके अतिरिक्त 43 करोड़ रूपये के निवेश पर अर्जित ब्याज के विवरण की अनउपलब्धता के कारण आय को कम बताने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। उक्त सावधि जमा प्रसार भारती के लेखाओं में निवेश के रूप में पृथक रूप से दर्शायी जानी चाहिए थी।

(च) ऋण/अग्रिम-उचन्त लेखाः 11.36 लाख रूपये (अनुसूची-11)

उपरोक्त राशि का वर्गीकृत ब्यौरा निम्न प्रकार था।

(रूपये)

क्र.सं.	पी.ए.ओ. का नाम	लेखा शीर्ष	प्राप्ति	भुगतान
1.	पी.ए.ओ., दिल्ली दूरदर्शन, नागपुर	अन्तरण प्रविष्टि का परिणाम	-	20,83,881/-
2.	-वही-	-वही-	9,48,085	-

उपरोक्त लेखांकन पी.ए.ओ., डी.डी., नागपुर द्वारा दोषपूर्ण समायोजन था। प्रसार भारती ने बताया (5.4.2004) कि यह मामला संबंधित पी.ए.ओ. के साथ विचारणीय है एवं इसका अन्तिम प्रत्युत्तर प्रतीक्षित है। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि 'पूर्व आवधिक मद' के अन्तर्गत 2003-04 की वित्तीय विवरणी में संशोधन किये जायेंगे।

3. आय एवं व्यय

3.1 व्यय

3.1.1 ब्याज-शून्य रू.

(i) संघ सरकार द्वारा स्वीकृत 4258.08 करोड़ रूपये का 'स्थायित्व में ऋण' पर 7 प्रतिशत की दर से 298.07 करोड़ रू. का ब्याज इसमें शामिल नहीं हैं। प्रसार भारती ने ब्याज को माफ कराने का मामला सरकार के साथ अनुसूची 25 के अंतर्गत टिप्पणी 5 के अनुसार उठाया है। जो कि अभी तक (नवम्बर 2004) सरकार द्वारा विचाराधीन है। इस मद के लिए लेखों में कोई प्रावधान नहीं किया

गया। इसके परिणामस्वरूप 298.07 करोड़ रू. की देयताओं की न्यूनोक्ति और 'आय पर अत्यधिक व्यय' की न्यूनोक्ति भी हुई।

(ii) संघ सरकार से प्राप्त 139.30 करोड़ रूपये के ऋण पर 14.5 प्रतिशत की दर से प्रोदभूत एवं देय 12.66 करोड़ का ब्याज इसमें शामिल नहीं था। प्रसार भारती का इस ऋण को ब्याज मुक्त करने के अनुरोध पर अभी तक (नवम्बर 2004) सरकार ने विचार नहीं किया है। इस मद के लिए लेखों में कोई प्रावधान नहीं है। इसके परिणामस्वरूप 12.66 करोड़ रूपये की देयताओं की न्यूनोक्ति और ' इसी सीमा तक आय पर अत्यधिक व्यय ' की न्यूनोक्ति भी हुई।

प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि पूँजी पर ब्याज को माफ करने का मामला मंत्रालय के साथ विचाराधीन है।

3.2 आय

केन्द्रीय सरकार - शून्य

3.2.1 अनुदान/परिदान (अनुसूची 13)

महालेखा-नियंत्रक द्वारा अनुमोदित आय एवं व्यय लेखा विवरणी के प्रोफार्मे के अनुसार संघ सरकार से प्राप्त सहायक अनुदान प्रसार भारती की आय के रूप में अभिलिखित होने अपेक्षित हैं। तथापि वर्ष के दौरान प्राप्त किये गये 962.30 करोड़ रूपये के सहायक अनुदान आय के बजाय संग्रह/पूंजीगत निधि के रूप में माने गये थे। जिसके परिणामस्वरूप 962.30 करोड़ रूपये की ' आय पर व्यय के आधिक्य ' की अत्युक्ति हुई। प्रसार भारती के लेखे में 542.32 करोड़ रूपये के ' आय से अधिक व्यय ' के बजाय 419.98 करोड़ रूपये को ' व्यय से अधिक आय ' के रूप में दर्शाया जाना चाहिये था। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि पूँजीगत प्राप्तियों को क्रेडिट करके संग्रह/पूँजीगत निधि में सीधे रूप से ले लिया गया था और इसे योगदान के प्रोत्साहक के रूप में माना गया था। तथापि आय और व्यय लेखों में दर्शाये गये घाटे को सरकारी अनुदान के प्रति समायोजित कर दिया गया था। प्रसार भारती का उत्तर तर्कसंगत नहीं है क्योंकि सरकार से प्राप्त अनुदान, प्राप्ति के रूप में लेखाबद्ध किया जाना चाहिए।

4. प्राप्तियाँ एवं भुगतान

4.1 प्राप्तियाँ

4.1.1 अथ शेष - (क) मुख्यालय - बैंक - (iv) खेल लेखेः 40.34 करोड़ रूपये

वर्ष 2000-01 के बैंक अभिलेखों की समीक्षा से यह पता चला कि खेल लेखाओं के बैंक स्क्रोल में अन्तिम बकाया 41.91 करोड़ रूपये (34.49 करोड़ रूपये + 1625000 यू.एस. डालर की विदेशी मुद्रा 7.42 करोड़ रूपये) था, जबकि 31 मार्च 2001 को समाप्त वर्ष के लिये प्रसार भारती के प्राप्ति एवं भुगतान लेखे ने 40.34 करोड़ रूपये का अथ शेष दर्शाया था। इस प्रकार खेल लेखे से सम्बंधित प्रसार भारती का प्रारंभिक शेष 1.57 करोड़ रूपये से कम बताया गया था। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि बैंक समाधान प्रगति पर था।

4.1.2 अथ शेष - (ख) अन्य कार्यालयः (i) रोकड़ः 5.65 करोड़ रूपये

क्योंकि प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) अधिनियम 1990 के अधीन प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) की स्थापना की गयी थी, और 1.4.2000 से इसने कार्य करना शुरू किया, 1.4.2000 को निगम तथा इसकी इकाईयों के पास आरम्भिक रोकड़ बकाया नहीं था। प्रसार भारती ने वर्ष 2000-01 के प्राप्ति एवं व्यय लेखाओं में नोट के द्वारा यह बताया कि कुछ डी.डी.ओ. ने गलती से सरकारी लेखों के अन्तिम बकायों को आरम्भिक बकाया के रूप में ले लिया था और यह मामला पी.ए.ओ. के साथ विचाराधीन था। इस प्रकार 1.4.2000 को सरकारी लेखों के अन्तिम रोकड़ बकाया को आरम्भिक बकाया के रूप में गलत दिखाने के परिणामस्वरूप आरम्भिक रोकड़ बकाया 5.65 करोड़ रूपये अधिक दर्शाया गया था। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि यह मामला पी.ए.ओ. के साथ पत्राचारित था।

4.2 भुगतान

4.2.1 मुख्यालय और अन्य कार्यालयों के मध्य हस्तांतरणों के कारण बकायाः (ii) डी.डी.ओ.(निर्गम): 13.99 करोड़ रूपये

वर्ष 2000-01 के दौरान प्रसार भारती के बजट अनुभाग द्वारा निगम मुख्यालय से बाहर स्थित विविध बाहरी ईकाइयों को जारी राशि तथा निगम मुख्यालय को सूचित एवं बाहरी कार्यालयों द्वारा दर्ज की गई वास्तविक प्राप्तियों का समेकित योग एवं निगम मुख्यालय को सूचित की गई वापसियों का निवल अन्तर था। यह देखा गया कि उपरोक्त अन्तर को निगम मुख्यालय द्वारा समाशोधित नहीं किया गया था जिसके अभाव के कारण प्राप्ति एवं भुगतान लेखे में दर्शाये गये आंकड़ों की औचित्यता की लेखापरीक्षा में जाँच नहीं की जा सकी। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि प्रत्येक वर्ष के मार्च माह के अंतिम समय पर जारी निधियों को आगामी माह में बैंक द्वारा जमा किये जाने के परिणामस्वरूप बाहरी इकाईयों तथा मुख्यालय की पुस्तकों के मध्य अन्तर आ गया था। यह होना स्वाभाविक था। हालांकि 'पारगमन में प्रेषण शीर्ष' के अन्तर्गत शेष आगामी वर्ष में कम किये गये थे।

4.2.2 मुख्यालय और अन्य कार्यालयों के मध्य स्थानान्तरण के कारण बकायाः (iii) प्राप्ति लेखाः 6.25 करोड़ रूपये

यह सभी क्षेत्रीय इकाईयों द्वारा वास्तविक रूप से प्राप्तियों के रूप में लेखाबद्ध की गई राशियों तथा निगम मुख्यालय को सूचित तथा प्राप्ति लेखे में पायी गयी प्रेषित राशियों का शुद्ध अन्तर है। प्रसार भारती के लेखे की संवीक्षा के दौरान यह अवलोकित किया गया था कि इस अन्तर का समाधान निगम मुख्यालय द्वारा क्षेत्रीय इकाईयों के साथ नहीं किया गया था, जिसके अभाव में प्राप्ति तथा भुगतान लेखे में दर्शायी गयी राशियों की शुद्धता को लेखापरीक्षा में सत्यापित नहीं किया जा सका। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि प्रति वर्ष मार्च माह के बिल्कुल अन्त में जारी निधियाँ, अनुवर्ती माह में बैंक द्वारा क्रेडिट की गई थी जिसके परिणामस्वरूप मुख्यालय की पुस्तकों तथा क्षेत्रीय इकाइयों की पुस्तकों में अन्तर आ गया था। यह होना स्वाभाविक ही था। तथापि, 'मार्गस्थ प्रेषण' शीर्ष के अन्तर्गत शेष अनुवर्ती वर्ष में कम कर दिये गये थे।

4.2.3 पी.ए.ओ., आकाशवाणी, लखनऊ के प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं में 3 लाख रूपये का अन्तर

प्रसार भारती के लेखों की जाँच करने पर पी.ए.ओ., आकाशवाणी, लखनऊ के 31.3.2001 को समाप्त वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान लेखों में 3 लाख रूपये का अन्तर प्रत्यक्ष रूप से सामने आया। पी.ए.ओ. का कुल प्रातियाँ एवं भुगतान निम्नलिखित है:-

(राशि रूपये में)

पी.ए.ओ. द्वारा सूचित की गई कुल प्राप्तियाँ	32,96,91,102
पी.ए.ओ. द्वारा सूचित किये गये कुल भुगतान	32,93,91,202
अन्तर	**2,99,900**

प्रसार भारती ने बताया (अप्रैल 2004) कि यह अन्तर पी.ए.ओ. आकाशवाणी, लखनऊ से चर्चा के बाद 'कार्यक्रम सेवा' शीर्ष के अन्तर्गत दर्ज किया गया था। जब उन्होने दूरभाष पर बताया कि यह राशि 'कार्यक्रम सेवा' से संबंध रखती है। पी.ए.ओ. से तदनुसार रिकार्ड संशोधित करने का अनुरोध किया गया था। प्रसार भारती ने उपरोक्त परिशोधन के समर्थन में, लेखापरीक्षा की तिथि तक पी.ए.ओ. से संशोधित लेखा/अन्तरण प्रविष्टि प्राप्त नहीं की थी।

4.2.4 बैंक लेखों का न दर्शाया जाना - प्रसार भारती के लेखे में पृथक आय लेखा और व्यय लेखा

प्रसार भारती के अधिकार के अन्तर्गत आने वाले सभी आहरण एवं वितरण अधिकारीयों (डी.डी.ओ.) से निधियों के प्रबंधन हेतु दो पृथक बैंक लेखे अर्थात् प्राप्ति लेखे एवं व्यय लेखे अनुरक्षित करने अपेक्षित हैं। डी.डी.ओ. (वाणिज्यिक और गैरवाणिज्यिक दोनों) की सभी प्राप्तियाँ प्राप्ति लेखे में जमा की जाती है जो अन्ततः निगम मुख्यालय पर अनुरक्षित प्राप्ति लेखे में प्रेषण हो जाती है। प्रसार भारती द्वारा डी.डी.ओ. को जारी अनुदान व्यय लेखे में जमा किया जाता है एवं सभी भुगतान उसी से किये जाते हैं। तथापि 31.3.2001 को समाप्त वर्ष के लिए प्रसार भारती के लेखाओं की समीक्षा करने के दौरान ज्ञात हुआ कि क्षेत्रीय इकाईयों के व्यय लेखाओं एवं प्राप्तियों के अन्तर्गत दिये गये बैंक बकाया लेखाओं में पृथक रूप से नहीं दर्शाये गये थे। इसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष की समाप्ति पर उपलब्ध लेखाओं में बकायों की लेखापरीक्षा में जाँच नहीं की जा सकती। प्रसार भारती इन लेखाओं में दी गई राशि का पी.ए.ओ. अनुसार वर्गीकरण भी प्रस्तुत नहीं कर सकी। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि भविष्य में अनुपालन हेतु टिप्पणियाँ नोट कर ली गई हैं।

4.2.5 अन्तिम बैंक बकाया - आकाशवाणी की प्राप्तियाँ: 1.49 करोड़ रूपये

प्रसार भारती ने उपरोक्त लेखे के सम्बन्ध में न तो रोकड़ पुस्तिका तैयार की और न ही बैंक नियमावली उपलब्ध कराई। इसके परिणामस्वरूप 'आकाशवाणी प्राप्ति लेखा' शीर्ष के अन्तर्गत दर्शाये गये 1.49 करोड़ रूपये के अन्तिम बकायों की औचित्यता की लेखापरीक्षा में जाँच नहीं की जा सकी।

4.2.6 अन्तिम बकाया - बैंक - डी.डी. प्राप्ति लेखेः 59.46 लाख रूपये

प्रसार भारती ने न तो रोकड़ पुस्तिका तैयार की और न ही बैंक नियमावली उपलब्ध कराई इसके परिणामस्वरूप ' डी.डी. प्राप्ति लेखे ' शीर्ष के अंतर्गत दर्शाये गये 59.46 लाख रूपये के अन्तिम बकाया की औचित्यता की लेखापरीक्षा में जाँच नहीं की जा सकी।

5. सामान्य

(i) प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) अधिनियम 1990 के अनुच्छेद 3(4) के अनुसार, प्रसार भारती बोर्ड में कार्यकलाप, निर्देशन एवं प्रबंधन सामान्य पर्यवेक्षण निहित किये जाते हैं, और इस प्रकार की सभी शक्तियां और सभी कार्य क्रियान्वित एवं परिपूर्ण किये जाते हैं, जो प्रसार भारती द्वारा इस अधिनियम के अधीन किये जायेंगे।

लेखापरीक्षा के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रसार भारती के पास लेखाशास्त्र नियमावली नहीं थी और न ही आंतरिक नियंत्रण कार्यप्रणाली के स्पष्टता कागजात थे, जिनसे सहयोगी अभिशासन की कार्यकुशलता लागत सुनिश्चित होती है।

(ii) सा.वि.नि. के नियम 116(1) के अनुसार परिसम्पत्ति का प्रत्यक्ष सत्यापन वर्ष में एक बार होना चाहिए परन्तु प्रसार भारती के पास बाहरी इकाईयों द्वारा परिसम्पत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं थी। परिसम्पत्ति के प्रत्यक्ष सत्यापन की जानकारी की अनुपस्थिति में, लेखों में परिसम्पत्ति के मूल्य की लेखापरीक्षा में जाँच नहीं की जा सकी। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि बाहरी इकाइयों की परिसम्पत्ति के अभिरक्षक को वर्तमान प्रबन्धन अनुसार प्रत्यक्ष सत्यापन आयोजित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है तथा वर्तमान में परिसम्पत्ति रजिस्टर में उसी प्रकार से किया जा रहा है। यद्यपि प्रसार भारती ने इस लेखे पर वार्षिक रिपोर्ट अभिप्रेत पायी और यह आश्वासन दिया कि भविष्य में लेखा टिप्पणी में यह परिलक्षित किया जायेगा।

(iii) प्रसार भारती कोई भी पुरानी और अनुपयोगी परिसम्पत्तियों के ना होने के बारे में कोई प्रमाण-पत्र न दे सकी। परिणामस्वरूप 4616.94 करोड़ रूपये के मूल्य की स्थायी परिसम्पत्तियों की औचित्यता लेखापरिक्षा में जाँची नहीं जा सकी। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) कि कार्यालयों के प्रधानों को अपनी प्रतिबंधित शक्तियों के अन्तर्गत भण्डार की पहचान करके निपटान करने की शक्तियाँ दी गई हैं। यद्यपि तथ्य यह है कि प्रसार भारती ने ऐसी कोई रिपोर्ट/प्रमाण-पत्र नहीं दिया जिससे यह साबित होता है कि कार्यालयों के प्रधानों के पास कोई भी पुरानी/अनुपयोगी परिसम्पत्ति है।

6. आन्तरिक लेखापरीक्षा

प्रसार भारती ने, जिसके पास कई करोड़ मूल्य की निधियाँ/परिसम्पत्तियाँ हैं जिसके लेन-देन का क्रियाकलाप 600 डी.डी.ओ. और 12 पी.ए.ओ. के द्वारा अन्तरित किया जाता है, नियमित अन्तराल पर इन इकाइयों के लेखे/रिकार्ड की समीक्षा करने के लिए आन्तरिक लेखापरीक्षा खण्ड नहीं बनाया है। जिससे इनकी वित्तीय क्षमता एवं प्रभावी सहयोगी अभिशासन की क्षमता प्रभावता सुनिश्चित हो सके। प्रसार भारती ने बताया (नवम्बर 2004) आन्तरिक लेखापरीक्षा को क्रियान्वित करने हेतु मंत्रालय से अतिरिक्त कार्यबल की माँग की गई है।

7. लेखाओं का स्वरूप

विशेष लेखाकरण प्रणाली (अनुसूची 24)

रोकड़ आधार पर वित्तीय विवरणी को तैयार करने के संबंध में लेखाकरण प्रणाली नं.1 को संदर्भित किया जाता है। प्रसार भारती की प्रणाली का सामान्यता ग्रहण किये गये लेखाकरण सिद्धान्तों के साथ सामंजस्य नहीं है। साथ ही साथ भारत सरकार, वित्त मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय स्वायत्त निकाय के लिए निर्धारित लेखों का समान स्वरूप, लेखाओं की संभूति प्रणाली पर भी आधारित है।

8. इकाईयों के अभिलेख उपलब्ध नहीं कराये गये

दूरदर्शन वाणिज्यिक सेवा नई दिल्ली के लेखाओं के अभिलेख लेखापरीक्षा को उपलबध नहीं कराए गये। 65 डी.डी.ओ. के प्राप्ति एवं भुगतान के समेकित अभिलेखों से सम्बंधित रिकार्ड पी.ए.ओ. दूरदर्शन सूचना भवन, नई दिल्ली के पास उपलब्ध नहीं थे।

प्रसार भारती निगम मुख्यालय,आकाशवाणी खण्ड और दूरदर्शन खण्ड द्वारा वर्तमान में प्रयोग किये जा रहे कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर से संबंधित वर्ष के दौरान विवरण, लेखापरीक्षा को नहीं दिखाए गए। इसके परिणामस्वरूप इस पक्ष की लेखापरीक्षा में जाँच नहीं की जा सकी।

9. लेखाओं पर लेखापरीक्षा टिप्पणियों का प्रभाव

उपरोक्त पैराग्राफों में की गई टिप्पणियों का निवल प्रभाव यह रहा कि 31.3.2001 को परिसम्पत्तियाँ 2.88 करोड़ रू. से कम दिखाई गई थी। 317.60 करोड़ रूपये की देयताओं की न्यूनोक्ति हुई एवं 652.29 करोड़ रूपये की आय पर अत्यधिक व्यय की अत्योक्ति हुई।

स्थानः- नई दिल्ली
दिनांकः- 12.5.05

महानिदेशक, लेखापरीक्षा
केन्द्रीय राजस्व

लेखापरीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) नई दिल्ली के 31 मार्च 2001 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखे/आय एवं व्यय लेखे तथा 31 मार्च 2001 के तुलन पत्र की जाँच कर ली हैं। मैंने, दूरदर्शन वाणिज्यिक सेवा, नई दिल्ली के अभिलेखों के लेखाओं तथा 65 डी.डी.ओ के प्राप्तियों एवं भुगतानों को समेकन से सम्बंधित अभिलेखों के अतिरिक्त, सभी सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, तथा लेखाओं के साथ संलग्न तथा उनके भाग के रूप में स्पष्टीकरणों एवं संलग्न लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अभ्युक्तियों के अधीन रहते हुए, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित मुख्य लेखापरीक्षा अभ्युक्तियाँ हैं:

- ऋणात्मक बकायों के सम्मिलित होने के फलस्वरूप 7.39 करोड़ रूपये की चालू देयताओं की न्यूनोक्ति हुई {पैरा 2.1.1.क, ख एवं ग (iv)};
- आकाशवाणी मुख्यालय के किराया/लाइसेंस फीस प्राप्ति के गलत निरूपण के कारण 71.25 लाख रूपये की आय न्यूनोक्ति और 50.85 लाख रूपये की देयताओं की अत्युक्ति हुई {पैरा 2.1.1 ग (ii)};
- 72.86 लाख रूपये एवं 18.93 करोड़ रूपये के आयकर देयताओं की निकासी नहीं हुई {पैरा 2.1.1 ग (i) एवं (iii)};
- सरकारी ऋण पर 298.07 करोड़ रूपये के ब्याज का कोई प्रावधान नहीं होना (पैरा 2.1.1 घ);
- केन्द्रीय परिसम्पत्ति रजिस्टर का रखरखाव न किया जाना {पैरा 2.2.1(i)};
- बैंक शेषों का समेकन न किया जाना (पैरा 2.2.3);
- 962.30 करोड़ रूपये के समग्र अनुदान के पूँजीकरण के कारण आय की न्यूनोक्ति (पैरा 3.2.1);
- लेखा प्रणाली सं. 1 का सामंजस्य सामान्य ग्राह्य लेखा नियमों के अनुसार न होना (पैरा 7);

अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर मैं प्रमाणित करता हूँ कि यह लेखे और तुलन पत्र उचित प्रकार से तैयार नहीं किए गये तथा मेरी राय में, मुझे दिये गये तथा प्रसार भारती के अभिलेखों में दर्शाये गये सूचना एवं स्पीष्टीकरणों के अनुसार ये प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) के कार्यकलापों का सही एवं उचित रूप प्रस्तुत नहीं करते हैं।

स्थानः- नई दिल्ली
दिनांकः- १२.५.०५

महानिदेशक, लेखापरीक्षा
केन्द्रीय राजस्व

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) 31.03.2001 को तुलन पत्र

कार्पस/पूंजीगत निधि और देनदारियां	अनुसूची संख्या	रू0 31.03.2001 को
कापर्स/पूंजीगत निधि	1	1163324448
रिजर्वस् और अधिशेष	2	0
उद्दिष्ट/अक्षय निधि	3	3588577477
सुरक्षित कर्जे	4	0
असुरक्षित कर्जे	5	43973802000
आस्थागित जमा देनदारियां	6	0
वर्तमान देनदारियां एवं शर्तें	7	329888462
कुल योग		49055592387
परिसंपत्तियां		
नियत परिसंपत्तियां	8	46169379477
चालू पूंजीगत कार्य	8	0
निवेश (1) उद्दिष्ट/अक्षय निधि	9	0
(2) अन्य	10	0
वर्तमान परिसंपत्तियां ,कर्जे,अग्रिम	11	2886212910
विविध व्यय		
योग		49055592387

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24	
आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां	25	

के. एस. शर्मा

ह.

ह.

के0एस0सर्मा सी0ई0ओ0	एस0 सुन्द्रेसन सदस्य (वित्त)	एम0श्रीधरन महाप्रबन्धक (बी एण्ड ए0)

स्थान : नई दिल्ली

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
वर्ष 2000-01 के लिए आय और व्यय लेखा

	अनुसूची संख्या	रुपए 31.03.2001 को समाप्त वर्ष के लिए
आय		
बिक्री और सेवा से आय	12	6239780013
अनुदान/आर्थिक सहायता	13	-
फीस/अंशदान	14	-
निवेश से आय (उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से हस्तांतरित निधि से आय)	15	-
रायल्टी,प्रकाशन इत्यादि से आय	16	-
अर्जित ब्याज	17	35281902
अन्य आय	18	-
तैयार सामान और कार्यप्रगति पर है से संबंधित बढ़ोत्तरी/(घटोत्तरी)	19	-
योग -क		6275061915
व्यय		
स्थापना व्यय	20	10119353731
कार्यक्रमों से संबंधित व्यय	21	1578967662
अनुदान/आर्थिक सहायता पर व्यय	22	-
ब्याज	23	0
मूल्य ह्रास		0
योग-ख		11698321393
आय से अधिक व्यय के अन्तर का शेष (क-ख)	(-)	-5423259478
मूल्य ह्रास का शेष जो कार्पस/पूंजीगत निधि में ले जाया गया	(-)	-5423259478
मुख्य लेख नीतियाँ	24	
आकस्मिक देनदारियाँ और लेखा टिप्पणियाँ	25	

के. एस. सर्मा	ह.	ह.
के0एस0 सर्मा	एस0सुन्दरेसन	एम0श्रीधरन
सी0ई0ओ0	सदस्य (वित्त)	महाप्रबन्धक (बी0एण्ड ए0)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
31.03.2001 के तुलन पत्र निर्माण की अनुसूचियाँ

अनुसूची-1-कार्पस/पूंजीगत निधि:

	जैसा दिनांक 31.03.2001 को
वर्ष के प्रारंभ में शेष(लेखा टिप्पणियों की अनुसूची -25 टिप्पणी-3 देखें)	552112508
जमा: वर्ष के दौरान सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय,भारत सरकार से प्राप्त सहायक अनुदान (योजना)	709600000
जमा: वर्ष के दौरान, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त सहायक अनुदान (गैरयोजना)	8899362695
जमा: स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों से प्राप्त सहायक अनुदान (लेखा टिप्पणियों की अनुसूची -25 टिप्पणी-4 देखें)	14086200
घटाव : पूंजीगत आस्तियाँ निधि को हस्तान्तरण	3588577477
घटाव : आय और व्यय लेखा से हस्तांतरित निवल व्यय में शेष	-5423259478
वर्ष के अंत में शेष	1163324448

अनुसूची 2-आरक्षित एवं अधिशेष

1. पूंजीगत आरक्षित	
अन्तिम लेखे के अनुसार	
वर्ष के दौरान शामिल	0
	0
2. सामान्य आरक्षित	
अन्तिम लेखे के अनुसार	0
वर्ष के दौरान शामिल	0
घटाव : वर्ष के दौरान घटाव	0
	0

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
31.03.2001 के तुलन पत्र निर्माण की अनुसूचियाँ

अनुसूची-3 उददिष्ट/अक्षय निधियाँ

पूंजीगत परिसम्पत्तियां/निधियाँ	
क- निधियों का अथ शेष	
ख- निधियों में जमा : पूंजीगत व्यय/अग्रिम खर्च के लिए कार्पस/पूंजीगत निधि से हस्तांतरित राशि	3588577477
वर्ष के अन्त में निवल शेष (क+ख)	35885774777

अनुसूची-4 सुरक्षित कर्जे और उधार

	0
	0

अनुसूची 5- असुरक्षित कर्जे

1. शाश्वत कर्जे	
इनके ब्याज को माफ कराना (अनुसूची 25-लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी-5 देखें)	42580802000
2. केन्द्र सरकार	
प्रौदभूत और देय ब्याज (अनुसूची-25 लेखा टिप्पणी-6 देखें)	1393000000
योग (टिप्पणी: एक वर्ष में देय राशी (शून्य)	43973802000

अनुसूची-6 आस्थगित देनदारियाँ:

	0

अनुसूची-7 वर्तमान देनदारियां और उपबंध

क- वर्तमान देनदारियाँ	
प्राप्त अग्रिम निक्षेप कार्य के बदले	150298817
निक्षेप, बयाना, अवधान दृव्य/प्रतिभूति जमा	9619663
अन्य वर्तमान देनदारियाँ-देय वेतन और मजदूरी	169969982
प्रौदभूत व्यय,देय लाईसेन्स फीस, देय पूंजीगत व्यय आदि	
अन्तर्कार्यालय संचालन लेखा	
योग-क	329888462
ख- उपबन्ध	
योग ख	
योग क+ ख	329888462

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
31.03.2001 के तुलन पत्र निर्माण की अनुसूचियाँ

अनुसूची-8 नियत परिसम्पत्तियाँ

विवरण	सकल ब्लाक				मूल्य ह्रास		नेट ब्लाक
	1.4.00 को लागत	वर्ष के दौरान सिविल विन्ग से परिवर्धन हस्तांतरण	वर्ष के दौरान कटौती/ हस्तांतरण पुनः वर्गीकरण	वर्ष के अन्त में लागत	वर्ष के लिए	वर्ष तक संचयी	31.03.2001 को
अ-नियत परिसम्पत्तियाँ							
1. भूमि							
2. भवन आदि							
3. संयंत्र मशीनरी और उपस्कर							
क-स्टूडियो	1496992000	862615467	-	15359607467	-	0	15359607467
ख-ट्रान्समीटर	20458725000	2049537985	-	22508262985	-	0	22508262985
ग-अन्य	143354000	4288787	-	147642787	-	0	147642787
4. वाहन	-	307260	-	307260	-	0	307260
5. फर्नीचर, जुड़नार	-	6368069	-	6368069	-	0	6368069
6. कार्यालय उपस्कर	-	10011744	-	10011744	-	0	10011744
7. अन्य नियत परिसम्पत्तियाँ							
कैपीटल एक्स योजना	7481731000	655448165	-	8137179165	-	0	8137179165
वर्तमान वर्ष का योग(अ)	42580802000	3588577477	-	46169379477	-	0	46169379477
ब-प्रगति पर पूंजीगत कार्य							
योग (ब)							0
योग	42580802000	3588577477	-	46169379477	0	0	46169379477

वर्ष के दौरान किए गए योगों में हासिल की गई नियत परिसम्पत्तियाँ शामिल हैं
सरकार से प्राप्त अनुदान 3588577477 रू0
(लेखा टिप्पणियों की अनुसूची 25 टिप्पणी-7 देखें)

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
31.03.2001 के तुलन पत्र निर्माण की अनुसूचियाँ

अनुसूची-9 उददिष्ट/अक्षय निधि से निवेश

	रुपए 31.03.2001 की स्थिति
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	0
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	0
3. अन्य	0
योग	0

अनुसूची 10-निवेश अन्य

1.सरकारी प्रतिभूतियों में	0
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियों में	0
3. अन्य	0
योग	0

अनुसूची 11 वर्तमान आस्तियाँ,कर्जे और अग्रिम इत्यादि

क- वर्तमान आस्तियाँ	
वस्तु सूचियाँ	
विविध कर्जदार	
नकद शेष	35137200
बैंक में शेष राशि :	
अ) अनुसूचित बैंको में	
चालू खातों में	661068659
संग्रहण खातों में	20844012
केनरा बैंक के जमा खाते	644786220
विभिन्न कार्यालयों में	1326004264
ब) मुख्यालय/पारवहन डी0डी0ओ0/समायोजन से जमा	191147648
योग (क)	2878988003
ख-कर्जे/अग्रिम	
1. कर्जे/अग्रिम	
कर्मचारी	60039
अन्य	6029072
उचंत खाते	1135796
2. अग्रिम और नकद माल या कीमत के रूप में वसूल की जाने वाली राशि	
पूंजीगत खातों पर	0
पूर्वभुगतान	0
अन्य	0
3. प्रोदभूत ब्याज	0
उददिष्ट अक्षय निधि से निवेश	0
अन्य निवेश	0
अन्य	0
4.वसूली योग्य दावे	0
योग (ख)	0
योग क + ख	7224907
	2886212910

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
31.03.2001 के समाप्त वर्ष की आय और व्यय पत्र निर्माण की अनुसूचियाँ

अनुसूची-12-बिक्री/सेवा से आय		रुपए 31.03.2001 की स्थिति
सेवा से आय		
आकाशवाणी, विज्ञापन और दूरदर्शन		6239780013
योग		6239780013
अनुसूची-13 अनुदान/इमदाद		
1. केन्द्र सरकार		0
2. राज्य सरकार		0
योग		0
अनुसूची-14 फीस/अंशदान		**0**
योग		0
अनुसूची-15 निवेश से आय		
आवधिक जमा पर ब्याज	उददिष्ट निधि से निवेश	अन्य निवेश
योग		
अनुसूची-16 रायल्टी प्रकाशन इत्यादि से आय		**0**
अनुसूची-17 अर्जित ब्याज		**35281902**
अनुसूचित बैंकों की मियादी जमा से		
योग		35281902
अनुसूची-18 अन्य आय		**0**
अनुसूची-19 तैयार सामान और कार्य प्रगति पर है से संबंधित बढ़ोत्तरी (घटोत्तरी)		**0**

प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
31.03.2001 के समाप्त वर्ष की आय और व्यय पत्र निर्माण की अनुसूचियाँ

	रुपए 31.3.2001 की स्थिति योजना	रुपए 31.3.2001 की स्थिति गैर योजना
अनुसूची-20-स्थापना एवं अन्य प्रशासनिक व्यय		
अन्य मंत्रालयो/विभागों से जी0आई0ए0 का भुगतान	0	3707847
अनुसंधान एवं प्रशिक्षण व्यय	11037131	73481046
निर्देशन और प्रशासनिक व्यय	59550588	393391069
प्रचालन एवं अनुरक्षण व्यय	162443624	2165879673
योजना एवं विकास व्यय	18111779	132360392
कार्यक्रम सेवा व्यय	1021601626	5512178001
व्यवसायिक सेवा भुगतान	24676575	574323809
विज्ञापन और प्रचार	2250934	432810
बैंक प्रभार	0	422000
पेन्शन संबंधी प्रभार	0	0
उपभोज्य भण्डार	0	6545256
घटा : नियत परिसम्पत्तियों से प्रभारित पूंजीगत व्यय	0	-43040429
योग	1299672257	8819681474
अनुसूची-21 कार्यक्रम संबंधी व्यय		
रायल्टी	0	53778937
पी0टी0आई0/यू0एन0आई0 को भुगतान	0	89596974
कार्यक्रम साफ्ट वेयर लगाने का व्यय	10919000	1839965
पैनम सेटलाईट व्यय	277741186	0
खेलों पर व्यय	0	1145091600
योग	288660186	1290307476
अनुसूची-22 इमदाद अनुदान पर व्यय	-	-
अनुसूची-23- ब्याज		
कर्जे पर ब्याज-केन्द्र सरकार		
शाश्वत कर्ज पर ब्याज		
कुल ब्याज		0

(संदर्भ अनुसूची-25,लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी 5 और 6)

अनुसूची 24-महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

1. लेखा पद्धति-

निगम की नीति है कि वह अपनी लेखा विवरणियां रोकड़ पावती और संवितरण आधार पर तैयार करे। इस आधार पर राजस्व और संबंधित परिसम्पत्तियों का रिकार्ड, अर्जित करने के बजाए उन्हें प्राप्त होने पर किया जाता है तथा व्यय का रिकार्ड बंधन उठाने के बजाए उन्हें भुगतान करने के समय पर किया जाता है।

2. वस्तु सूची का मूल्यांकन

भंडार और पुर्जों(मशीनी पुर्जे शामिल) का मूल्यांकन उनकी कीमत पर किया जाता है।

3. नियत परिसम्पत्तियाँ

नियत परिसम्पत्तियों में प्रसार भारती को हस्तांतरित परिसम्पत्तियों की हस्तांतरण राशि आती है और तदानुरूप जमा राशि में "शाश्वत ऋण" आता है।

आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा ली गई विभिन्न योजनाओं पर पूंजीगत व्यय के संबंध में सभी संबंधित और सह-व्यय पूंजीगत है।

केन्द्र सरकार द्वारा परिसम्पत्तियों का हस्तांतरण वास्तविक मूल्यांकन और सत्यापन के अधीन है।

4. मूल्यह्रास पद्धति

मूल्यह्रास का प्रावधान नहीं है

5. विदेशी मुद्रा का संचालन

विदेशी मुद्रा के संचालन का हिसाब संचालन तिथि को विद्यमान विनिमय दर से किया जाता है।

अनुसूची 25 लेखा और आकस्मिक देनदारियों पर टिप्पणियाँ
लेखा टिप्पणियाँ :
लेखा अनन्तिम है तथा इसकी सी0ए0जी0 द्वारा लेखा परीक्षा होनी है

1. प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) की स्थापना एक आम लोक उपयोगी संस्था के रूप में की गई है, तथा यह "लाभ के लिए नहीं संगठन" के अन्तर्गत आता है।तदनुसार आम स्वीकार्य लेखा पद्धतियों पर आधारित और आयकर अधिनियम की धारा 145 के अनुसार यह निगम लेखा की रोकड़ या वाणिज्य पद्धति अपना सकता है।

संगठन की संरचना, पूर्व में प्रयोग होने वाली पद्धतियों और सरलता के पहलू को ध्यान में रखते हुए लेखा की रोकड़ पद्धति अपनाई गई है। इस पद्धति के अन्तर्गत राजस्व अनुदान या दान का रिकार्ड रोकड संग्रह पर होता है इसी तरह कार्य सम्पन्न करने के दौरान परिसम्पत्तियों के अर्जन और रख रखाव का व्यय तथा कर्मचारियों का वेतन और अन्य वस्तुओं का रिकार्ड उनका भुगतान करते समय किया जाता है। आय और व्यय लेखा और उसका तुलन पत्र नकद पावती और भुगतान के आधार पर होता है।

वित्तीय विवरणी तैयार करते समय लेखा मानकों को लागू करने के मुद्दे का उल्लेख करते हुए निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार किया गया :-

- प्रसार भारती प्रसारण निगम को कम्पनी अधिनियम की धारा 25 के अन्तर्गत शामिल नहीं किया गया है
- आई0सी0ए0आई0 द्वारा जारी लेखा मानक, संस्थान के सदस्यों को आई0सी0ए0आई0 द्वारा समय समय पर जारी सुसंगत घोषणा के अनुसार उनकी परिसम्पत्तियों के निष्पादन के लिए अनिवार्य

है। प्रसार भारती प्रसारण निगम की परिसम्पत्तियों की प्रक्रिया भारत के महालेखा नियंत्रक में निहित है।

तदनुसार, जहां तक वित्त विवरणी तैयार करने की पद्धति का संबंध है लेखा नीति-1 प्रकटन आवश्यकता पूरी करती है।

2. आकस्मिक देनदारियां
- कारपोरेशन की ओर से/दी गई बैन्क गारण्टी: 41327367 रू0
- कारपोरेशन की ओर से बैन्क द्वारा खोले गए साख पत्र 21.47 करोड रू0

3. लेखा का निर्माण करने वाली अनुसूची-1 में वर्ष के शुरू में दर्शाया गया इति शेष बैन्क/नकद शेष और बैन्क में 1.4.2000 को सावधिक जमा दर्शाता है।

4. इस तथ्य को देखते हुए कि लोक प्रसारक के रूप में प्रसार भारती को मूलभूत सुविधाओं के रख रखाव, प्रचालन और निर्माण के लिए मिलने वाला अनुदान विनिर्दिष्ट नहीं है अतः लेखा अभिमत के तहत प्रोत्साहकों का अंशदान मानते हुए इसके लिए सीधे कार्पस/पूंजीगत निधि से राशि ली गई है।

5. सरकार द्वारा मंजूर शाश्वत ऋण पर 7 % की दर से (298,06,58,240 रू0) ब्याज देय है। ब्याज की शर्तों को माफ करने के लिए मामला सरकार के साथ उठाया जा रहा है।

6. निबन्धन और शर्तों के अनुसार सरकार द्वारा जारी ऋण पर 14.5 % की दर से (12,65,68,083 रू0) व्याज है तथापि ऋण को ब्याज मुक्त कराने के लिए निगम की प्रार्थना पर एक निर्णय सरकार के पास लम्बित है।

7. केन्द्र सरकार द्वारा खाता मूल्य पर प्रसार भारती को हस्तांतरित आवधिक परिसम्पत्तियों की राशि लेखा महानियंत्रक के पत्र संख्या-सी0सी0ए0/आई एण्ड बी0/2002 दिनांक 3.9.2002 पर आधारित मानी गई है। तथा प्रत्यक्ष सत्यापन और मूल्यांकन के अधीन है।

8. कर प्रणाली

इस वर्ष के लिए प्रसार भारती आयकर देने का दायी नहीं था, अतः इसकी जानकारी यहां नहीं दी जा रही है।

9. कर्मचारियों की पेन्शन सुविधाएं : कर्मचारियों को निगम में हस्तान्तरण करने की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है अतः पेन्शन प्रभार सहित इस तरह के खाते से कोई अन्य भुगतान नहीं किया गया।

10. अन्तर्कार्यालय संक्रमण खाते सामान्यतया इन खातों में भिन्नता वित्त वर्ष के समापन में संक्रमण काल में धन भेजने को दर्शाती है तदनुसार यह लेखा में इसी तरह दर्शाए जाते हैं।

11. डिपोजिट वर्क्स्
कार्य के व्यय के समायोजन के बाद पार्टियों से डिपोजिट वर्क्स् के लिए प्राप्त राशि इस शीर्ष में रखी जाती है।

12. प्रसार भारती की लेखा परीक्षा के लिए महानियंत्रक की फीस दिए जाने का प्रावधान नहीं है क्योंकि वैधानिक लेखा परीक्षक मान्य नहीं किए गए है।
13. चूंकि यह सबसे पहली अवधि का लेखा विवरण है इसलिए इससे पिछले वर्ष के आंकड़े नहीं दिए गए हैं।

के. एस. सर्मा	ह.	ह.
के0एस0 सर्मा	एस0 सुंदरेसन	एम0 श्रीधरन
सी0ई0ओ0	सदस्य (वित्त)	महाप्रबन्धक (बी0एण्ड ए0)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक :

प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
बजट एवं लेखा स्कंध
वर्ष 2000-01 का प्राप्ति और भुगतान लेखा

		प्राप्तियां	राशि		भुगतान	AMOUNT गैर योजना	योजना	योग	
	1	आदि शेष		1	व्यय (राजस्व लेखा)				
					1) निर्देशन एवं				
		(क) मुख्यालय-बैंक			प्रशासन				
		(1) मुख्य शाखा	3000500						
		(2) आकाशवाणी प्राप्तियां			आकाशवाणी	195255547	59550588	254806135	
		(3) दूरदर्शन प्राप्तियां			दूरदर्शन	198135522		198135522	
नोट-1		(4) खेल खाता(सीबी-सीए0लेखा-1657)	403376199		2) प्रचालन एवं			0	
नोट-2		(5) केनरा बैंक के पास एफ0डी0आर0	52505023		अनुरक्षण			0	
		(ख) अन्य कार्यालय			आकाशवाणी	815818481	17105280	832923761	
नोट-3		1) नकद	56463379		दूरदर्शन	1350061192	145338344	1495399536	
		2) अग्रदाय	36767407		3) योजना एवं			0	
					विकास			0	
					आकाशवाणी	132360392	18111779	150472171	
	2	प्राप्त अनुदान			दूरदर्शन			0	
		1) सूचना और प्रसारण मंत्रालय	9608962695		4) कार्यक्रम सेवा			0	
		2) स्वा0एवंपरि0काल्याण मंत्रा0 एवं अन्य मंत्रालय	14086200		आकाशवाणी	3393707724	50890547	3444598271	
					दूरदर्शन	2118470277	970711079	3089181356	
					5) अनुसंधान एवं प्रशिक्षण			0	
	3	सूचना और प्रसारण मंत्रालय से ऋण	1393000000		आकाशवाणी	73481046	11037131	84518177	
	4	हस्तांतरण के कारण बकाया			दूरदर्शन			0	
		डिपोजिट वर्क के लिए	150298817		घटा : गैर वितरित वेतन एवं भत्ते	-108179		-108179	
		अन्य विभागों/पक्षों से प्राप्त डिपोजिट	0					0	0
		1) प्रसार भारती खाता	0					0	
नोट-4		2) अन्तर प्रभागीय/केन्द्रों से हस्तांतरण	25229140		6) भुगतान द्वारा			0	
					1) व्यावसायिक सेवाएं			0	
					आकाशवाणी	261528914	3455847	264984761	
नोट-5	6	सरकार को देय प्राप्तियां(जी0पी0एफ0, वेतन बिलों से वसूल किए जाने वाले दीर्घावधि अग्रिम	164780510		दूरदर्शन	312794895	21220728	334015623	
					2) रायल्टी			0	
	7	प्रसार भारती राजस्व			आकाशवाणी	23341657		23341657	
		(क) आकाशवाणी			दूरदर्शन	30437280		30437280	
		(1) विज्ञापन	549881192		3) विज्ञापन एवं प्रचार			0	

					आकाशवाणी	432810	2250934	2683744	
					दूरदर्शन			0	
					iv) यू एन आई/पी टी आई को भुग			0	
					आकाशवाणी	89596974		89596974	
					दूरदर्शन			0	
					v) कार्य क्रमों की कमीशनिंग (सोफ्ट)			0	
					आकाशवाणी	1577835		1577835	
					दूरदर्शन	262130	10919000	11181130	
					vi) पैनम सैटेलाइट			0	
					आकाशवाणी			0	
					दूरदर्शन		277741186	277741186	
					vii) खेल गतिविधियां			0	
					आकाशवाणी			0	
					दूरदर्शन	1145091600		1145091600	11730578540
		(ii) गैर-व्यवसायिक	31688214	2	योग (राजस्व)	10142246097	1588332443		
		(b) दूरदर्शन			व्यय (ii) (पूंजीगत खाता)			0	
		(i) व्यवसायिक	5651904036		i) मशीनें और उपस्कर			0	
		(ii) गैर व्यवसायिक	6306571		आकाशवाणी		718471	718471	
	8	प्रसार भारती अन्य प्राप्तियां			दूरदर्शन		3110127	3110127	
		i) आकाशवाणी क्वार्टरों का किराया/लाइ	7125046		ii) अनवरत योजनाएं			0	
					क) स्टूडियो			0	
					आकाशवाणी		8500303	8500303	
					दूरदर्शन		20892742	20892742	
					ख) प्रेषित्र			0	
					आकाशवाणी		79918904	79918904	
नोट-6	9	अंतिम शीर्ष में हस्तांतरण की प्रतीक्षा में प्राप्ति	14015468		दूरदर्शन		131866025	131866025	
					ग) कम्पोजिट			0	
	10	प्रतिभूति जमा/ई एम डी पर	9619663		आकाशवाणी		22112150	22112150	
					दूरदर्शन		25735031	25735031	
	11	सावधि जमा पर ब्याज	35281902		घ) विविध कार्य योजनाएं			0	
					आकाशवाणी		11570807	11570807	
					दूरदर्शन		6509172	6509172	
					iii) नई योजनाएं			0	
					क) स्टूडियो			0	
					आकाशवाणी		86334633	86334633	
					दूरदर्शन		607742473	607742473	
					ख) प्रेषित्र			0	
					आकाशवाणी		330809248	330809248	

					दूरदर्शन		739026940	739026940	
					ग) कम्पोजिट			0	
					आकाशवाणी		43215686	43215686	
					दूरदर्शन			0	
					विविध कार्ययोजनाएं			0	
					आकाशवाणी		57384714	57384714	
					दूरदर्शन		337371999	337371999	
								0	
					iv) स्थापना			0	
					आकाशवाणी		194335680	194335680	
					दूरदर्शन		179567457	179567457	
								0	
				3	विज्ञापन भुगतान [illegible]			0	
					आकाशवाणी		897690	897690	
					दूरदर्शन		12691261	12691261	
								0	
				4	जे एंड के पैकेज			0	
					आकाशवाणी		146407524	146407524	
					दूरदर्शन		510508954	510508954	
					योग (पूंजी)	0	3557227991	0	3557227991
				5	i) सामान पर खर्च	-5145687		-5145687	
								0	
				6	[illegible] के माध्यम			0	
					[illegible] के कारण समाप्त				
					i) स्कंध			0	
					ii) डी.डी. ओम (रिलीज)	139883448		139883448	
					iii) प्राप्ति खाता	62477872		62477872	
								0	
				7	अन्य विविध [illegible] द्वारा			0	
					i) को [illegible]			0	
					क) भूमि और निपटान महानिदेशालय			0	
					ख) सार्वजनिक उपक्रम	35897		35897	
					ग) अन्य पार्टी	5993175		5993175	

२९

					ख) अन्य प्रभार			0	
					घ) स्टाफ को अग्रिम	60039		60039	
					ङ) टी.ई का अग्रिम	1135796		1135796	
					ii) (अवेतन बिल से कटौती			0	
					सरकारी खाते में जमा			0	
					iii) विविध जमा/इएमडी/सिक्योरिटी			0	
								0	
				8	डिपोजिट वर्क में से भुगतान			0	
				9	अन्य मंत्रा/विभागों से सहायतार्थ अनुदान			0	
					क) यूनिसेफ		173246	173246	
					ख) परिवार कल्याण		3534601	3534601	
								0	
				10	आकाशवाणी के क्वार्टरों की ला.फी	2043753		2043753	
								0	
				11	बैंक प्रभार	422000		422000	
								0	
				12	अंत शेष द्वारा			0	
					बैंक			0	
					(i) मुख्यालय	579493805		579493805	
					(ii) खेल खाते (सी.बी. - सी.एस.)	81574854		81574854	
					(iii) आकाशवाणी प्राप्ति खाता	14898357		14898357	
					(iv) दूरदर्शन प्राप्ति खाता	5945655		5945655	
					(v) केनरा बैंक में जमा	644786220		644786220	
					अन्य कार्यालय	1326004264		1326004264	
					i) नकद	7019862		7019862	
					ii) नकद अग्रदाय	28117338		28117338	
		योग	18186261026		योग			18186261026	0

0

Note:1 Opening Balance of $1625000 lying in foreign exchange has been converted into rupee @ Rs.45,64 per US $.

Note:2 Item 1(a)(v) represents maturity of FDR made before 1.4.2000

Note:3 Some of the DDO's have wrongly taken the closing Cash Balance of Govt. account as Opening Balance in PB A/c. The matter has been taken up with the PAOs

नोट-1- आदि शेष में पड़े हुए 1625000 डालर को 45.64 प्रति डालर की दर से रुपए में बदल दिया गया है।

नोट-2 -मद 1(क)(5) में दर्शाई गई राशि दिनांक 1.4.2000 से पूर्व सावधिक जमा के परिपक्व होने को दर्शाती है।

नोट-3 - कुछ आहरण एवं संवितरण अधिकारियों ने गलती से सरकारी लेखा के नकद आदि शेष को प्रसार भारती लेखे के इति शेष के रुप में दिखा दिया है। इस मामले को वेतन एवं लेखाधिकारियों से उठाया गया है,उनको कहा गया है कि वे वस्तुः स्थिति से अवगत कराए। उनके अन्तिम उत्तर की प्रतीक्षा की जा रही है।

नोट-5- प्राप्ती साईड के मद 6 में दिखाए गई राशि वह राशि है जो वेतन बिलों से सीधे काटी गई थी और जिसे सरकारी खाते में जमा नहीं किया जा सका था, क्योंकि कुछ डी0डी0ओ0 ने देरी से लेखा प्रस्तुत किए थे।

नोट-6- यह लेखे में किए गए गलत-वर्गीकरण को दर्शाता है। इस मामले को वेतन एवं लेखाधिकारी (आकाशवाणी) चैन्नई के सामाने उठाया गया है। अन्तिम उत्तर/संशोधन की प्रतीक्षा है।

नोट-7-यह लेखे में किए गए गलत-वर्गीकरण को दर्शाता है। इस मामले को लेकर वेतन एवं लेखाधिकारी (आकाशवाणी) मुम्बई, कोलकता और चैन्नई से पत्राचार जारी है।

नोट-8- भुगतान पक्ष के मद संख्या 6(2) उस अन्तर को दर्शाता है जो मुख्यालय द्वारा जारी की गई राशि तथा आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा मुख्यालय से प्राप्त राशि के रुप में दिखाए गई है और जिसके अन्तर का मिलान किया जाना है। यह राशि वह राशि भी हो सकती है जिसे जारी तो कर दिया गया था लेकिन आहरण एवं वितरण अधिकारियों ने इसे अगले वित्तीय वर्ष में दर्शाया हो। इस मामले में वेतन एवं लेखाधिकारी, दूरदर्शन से पत्राचार जारी है।

नोट-9 - आकाशवाणी/दूरदर्शन के विभिन्न कार्यालयों द्वारा दिखाई गई विज्ञापन प्राप्तियों की राशि एवं प्रसार भारती मुख्यालय के लेखे के बीच के अन्तर को इस मद में दिखाया गया है जिसका मिलान नहीं किया जा सका है।

के. एस. सर्मा	ह.	ह.
के0एस0 सर्मा	एस0 सुंदरेसन	एम0 श्रीधरन
सी0ई0ओ0	सदस्य (वित्त)	महाप्रबन्धक (बी0एण्ड ए0)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक :

Audit Report on the Accounts of the Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India), New Delhi, for the year 2000-01

1. Introduction

The Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) was established under an Act of Parliament notified in the Gazette of India No. 643 of 23.11.1997. The main objectives of the Corporation are:

- to organise and conduct public broadcasting services to inform, educate and entertain the public and to ensure a balanced development of broadcasting on radio and television;
- to uphold the unity and integrity of the country and the values enshrined in the Constitution;
- to safeguard the citizens' right to be informed freely, truthfully and objectively on all matters of public interest, national or international, and to present a fair and balanced flow of information including contrasting views without advocating any opinion or ideology of its own;
- to pay special attention to the field of education and spread literacy, agriculture, rural development, environment, health and family welfare and science and technology;
- to provide adequate coverage to sports and games so as to encourage healthy competition and the spirit of sportsmanship;
- to expand broadcasting facilities by establishing additional channels of transmission at various levels.

The Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) which commenced its activity as a corporate body w.e.f. 1.4.2000 has two wings, namely AIR (All India Radio) and DD (Doordarshan). The day to day transactions of receipts and payments of these two wings of the Corporation are basically executed by about 600 DDOs. As per Memorandum of Understanding of 22.5.2000 entered between Prasar Bharati and the Union Government, Prasar Bharati had switched over to new accounting system with effect from 2000-01. Before this period, proforma accounts were being prepared by the AIR and DD wings. The accounts for the year 2000-01 represent, for the first time, the consolidated position of the accounts of all the units of the Corporation scattered all over India.

The accounts of Prasar Bharati are audited under Section 19 (2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 21 (3) of the Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Act, 1997.

The Prasar Bharati is financed mainly by grants-in-aid and loan from the Government of India, Ministry of Information and Broadcasting. The Corporation received grants totaling Rs. 960.90 crore and loan of Rs. 139.30 crore from the Government of India during 2000-01. Besides, the Corporation received grants-in-aid of Rs. 1.41 crore from the Ministry of Health & Family Welfare and other Ministries. The Corporation also generated commercial receipts of Rs. 620.18 crore and non-commercial receipts of Rs. 8.04 crore during the year.

,. Balance Sheet

/2.1 Liabilities

2.1.1 Current liabilities and provisions (Shedule-7)

A. Current liabilities- Advances received against deposit work: Rs. 15.03 crore

The payments made out of the amount received as deposit work by the DDOs were shown more than the receipts. Consequently, the current liabilities included minus balances of Rs. 3.06 crore resulting in understatement of liability by the same amount. The PAO- wise break-up of minus balances is given below:-

(Rs.)

Name of the PAO	Opening Balance	Receipts	Payments	Closing Balance
PAO, AIR, Mumbai	-	---	5400489	(-) 5400489
PAO, AIR, Kolkata	-	3288501	28449426	(-) 25160925
			Total	(-) 30561414

Prasar Bharati stated (November 2004) that the minus balances against the PAO, AIR Mumbai and Kolkata may be due to the fact that deposit received prior to 01.04.2000 were lying in Government account and not transferred to Prasar Bharati. The matter was being taken up with the concerned PAOs for transfer of deposit from Government account to Prasar Bharati account.

B. Current liabilities- Deposits, earnest money, caution money/security deposit Rs. 96.20 lakh

The above liability was understated by Rs. 1.15 crore as it included minus balances pertaining to the following PAOs:

(Rs.)

Name of the PAO	Opening Balance	Receipts	Payments	Closing Balance
PAO, AIR, Chennai	-	7030061	11088063	(-) 4058002
PAO, DD, Chennai	-	-	3915720	(-) 3915720
PAO, AIR, Kolkata	-	-	3539050	(-) 3539050
			Total	(-)11512772

Prasar Bharati stated (November 2004) that minus balances against the PAOs may be due to the fact that refund of SD/EM has been made against deposit lying in Government account. The matter is being taken up with the concerned PAOs for transfer of money for Government account to Prasar Bharati account.

C. Other current liabilities – Salaries and wages payable, expenses accrued, licence fee payable, capital expenditure payable etc: Rs. 17 crore

The above included:

(i) Rs. 72.86 lakh being Income Tax recovered from the Station Directors for depositing with Income Tax Department which had not been deposited contrary to provisions of Income Tax Act. The Prasar Bharati stated (November 2004) that an amount of Rs. 72.86 lakh

epresent short remittance of Income Tax by two PAOs viz. PAO, AIR, Chennai & Kolkata in the year 2000-01 due to non-finalisation of accounts in time. The amount had, however, been remitted in the subsequent months.

(ii) Rs. 50.81 lakh pertaining to rent/licence fee for AIR staff housing. The above liability was arrived at after deducting the amount of Rs. 20.44 lakh remitted to Headquarters from the receipt of Rs. 71.25 lakh on the same account. Since, the liability was not payable to any outside agency/party, the entire receipt of Rs. 71.25 lakh should have been shown as income of the Prasar Bharati. This had resulted in the overstatement of liability by Rs. 50.81 lakh as well as understatement of income by Rs. 71.25 lakh. The Prasar Bharati noted (November 2004) it for future compliance.

(iii) Rs. 18.93 crore pertaining to recoveries on behalf of Government including income and professional tax, which was to be remitted to the Government was not remitted by the following PAO's as on 31.03.2001.

S. No.	Name of the PAO	Liability not discharged (Rs.)
1.	PAO, AIR New Delhi	49,13,310
2.	PAO, AIR, Lucknow	3,77,009
3.	PAO, AIR, Kolkata	11,11,93,747
4.	PAO, DD, Guwahti	6,44,78,364
5.	PAO, DD, Nagpur	3,96,544
6.	PAO, AIR, Mumbai	9,66,016
7.	PAO, FD, Mumbai	69,31,564
8.	PAO, DD, Kolkata	30,952
	Total	**18,92,87,506**

(-) 5400489
(-) 25160925
(-) 30561414

Prasar Bharati stated (November 2004) that Rs. 18.93 crore pertaining to recoveries on behalf of Government had been remitted to Government account in the subsequent months.

(iv) Remittances of recoveries on behalf of Government were more than the recoveries as detailed below, which indicates misclassification in accounts or non-accounting of receipts/recoveries. This resulted in understatement of liability by Rs. 3.18 crore.

(Rs.)

Name of the PAO	Head of Account	Receipts	Remittances	Closing balance
PAO, DD, N. Delhi	I-Tax from Contractors	--	1,44,78,228	(-) 1,44,78,228
PAO, AIR, Chennai	I-Tax from Contractors	--	13,33,550	(-) 13,33,550
PAO, DD, Chennai	Recoveries on behalf of govt.	11,72,00,080	12,88,94,606	(-) 1,16,94,526
PAO, AIR, Kolkata	I-Tax from Contractors	--	39,84,661	(-) 39,84,661
PAO, DD, Kolkata	Recoveries on behalf of Govt.	7,66,97,349	7,69,99,614	(-) 3,02,265
			Total	(-) 3,17,93,230

Provisions : Rs. Nil

(i) This does not include Rs. 298.07 crore being interest at the rate of 7 per cent on Government Loan of Rs. 4258.08 crore. The matter has been taken up by Prasar Bharati with the Government for waiver vide note 5 of Schedule 25. The Government has not yet accepted the request of the Prasar Bharati (November 2004).

(ii) This does not include Rs. 12.66 crore being interest @ 14.5 per cent on Government loan of Rs. 139.30 crore. The request of the Prasar Bharati to make the loan interest free has not yet been accepted by the Government (November 2004).

2.2 Assets

2.2.1 Fixed Assets (Schedule 8): Rs. 4616.94 crore

(i) The Balance Sheet of Prasar Bharati showed assets valued at Rs. 4616.94 crore as on 31st March 2001 under the following heads:

S.No.	Heads	Amount (in Rs.)
1.	Plant, Machinery & Equipment	
	(a) Studio	1535,96,07,467
	(b) Transmitters	2250,82,62,985
	(c) Others	14,76,42,787
2.	Vehicles	3,07,260
3.	Furniture & Fixtures	63,68,069
4.	Office Equipments	100,11,744
5.	Other fixed Assets- Capital Expenditure on Various schemes	813,71,79,165
	Total	**46,16,93,79,477**

A Central Assets Register required to be maintained under General Financial Rules in Form GFR-19 was not maintained by Prasar Bharati. In the absence of Assets Register, the correctness of value of assets of Rs. 4616.94 crore could not be verified in audit. Prasar Bharati stated (November 2004) that the assets figure include the assets transferred to Prasar Bharati as 'loan in perpetuity', the correctness of which would be verified on completion of Proforma Accounts.

(ii) Rs. 4258.08 crore has been shown as opening balance under the following heads of accounts in Schedule 8 of Fixed Assets attached with the Balance Sheet for the year ended 31.3.2001:-

S. No.	Head of Accounts	Amount (in Rs.)
1.	Studio	14,49,69,92,000
2.	Transmitters	20,45,87,25,000
3.	Others	14,33,54,000
4.	Other fixed Assets capital expenditure	7,48,17,31,000
	Total	**42,58,08,02,000**

The above assets reflect the transfer of Fixed Assets by the Union Government vide Chief Controller of Accounts letter no. CCA/I&B/2002 dated 3.9.02. The correctness of these figures could not be verified in audit as the Proforma Accounts for the year 1999-2000 have not

been completed. Prasar Bharati intimated (March 2004) that All India Radio has completed Proforma Accounts up to 1993-94 and Doordarshan up to 1996-97 only. Prasar Bharati further stated (November 2004) that correctness of opening balance was inter-linked to completion of Proforma Accounts. The management has now fixed a target for completion of Proforma Accounts by February 2005.

(iii) Fixed Assets: Rs. 4616.94 crore

The above included an effect of minus entry of Rs. 51.46 lakh shown under the head 'Expenditure on Stock' on the payments side of the Receipts and Payments Accounts of Prasar Bharati for the year ended 31.3.2001. The above booking was erroneous and details thereof were not available with the corporate office. Since the booking of Rs. 51.46 lakh under the head 'Expenditure on Stock' was erroneous, its consequent effect on the Balance Sheet had resulted in understatement of Fixed Assets by Rs. 51.46 lakh. Prasar Bharati stated (November 2004) that matter was being pursued with the concerned PAO vigorously to rectify the mistake.

2.2.2 Sundry Debtors:- Rs. 0

This does not include the amount due from various parties as on 31.3.2001, the details of which have not been collected from the units and not been compiled/consolidated and brought to books of accounts and incorporated in the final accounts of Prasar Bharati. The amount recoverable from various parties in lieu of services provided by Prasar Bharati should have been worked out and recognised as receivables in the accounts. Prasar Bharati stated (November 2004) that since the accounts were being maintained on cash basis, the Sundry Debtors would be incorporated in notes to account.

2.2.3 Current Assets, Loans and Advances etc (Shedule-11)

A. Current Assets-Bank Balances with scheduled Banks- on current accounts: Rs. 66.11 crore and on collection accounts: Rs. 2.08 crore.

(i) Following bank accounts were being operated by Prasar Bharati during 2000-01. However, the Corporate Headquarters have not maintained the relevant accounting records viz. account-wise cash book, account-wise ledger, journal books, general ledger, account-wise monthly bank reconciliation statements etc. Bank reconciliation has not been conducted and the un-reconciled figures have been included in the final accounts. The fact of non-reconciliation of the balances in the following bank accounts and non-maintenance of the required accounting records has also not been disclosed distinctly by way of a note appended to the Balance Sheet.

Sl. No.	Name of the Bank	Current A/c No.	Name of the Account	Operated jointly by
1.	Canara Bank	1657	Sports A/c (Receipt A/c)	GM (B&A) & GM (P)
2.	Canara Bank	1730	Expenditure A/c	GM(B&A) & GM(P)
3.	State Bank of India	578651	Expenditure A/c	GM(B&A) & GM(P)
4.	State Bank of India	01000503122	Receipt A/c	GM(B&A) & GM(P)
5.	State Bank of India	01000503120	Receipt A/c	GM(B&A) & GM(P)

Prasar Bharati stated (November 2004) that Bank reconciliation in respect of two Receipt Accounts with SBI had been completed. It was in progress in respect of other accounts.

i) **Bank Balances (a) with Scheduled Banks on current accounts Rs. 66.11 crore**

(a) The above included Rs. 8.16 crore shown under the head 'Sports Accounts' (CB-1657) in the Receipts and Payments Accounts of Prasar Bharati. This (Rs. 8.16 crore) included U.S. dollars 812500 equivalent to Rs. 3.71 crore. The management has not reconciled the balance in the above bank account with figures indicated in the Receipts and Payments Accounts which has resulted in the difference of Rs. 3.09 crore in the closing balance as detailed below:-

Closing balance as per accounts under the head 'Sports Accounts' (including balance in foreign currency)	Rs. 8,15,74,854
Closing balance as per bank statements (including balance in foreign currency)	Rs. 5,06,89,954
Difference	**Rs. 3,08,84,900**

Thus, the closing balance in 'Sports Accounts' head has been overstated by Rs. 3.09 crore. Prasar Bharati stated (November 2004) that Doordarshan Commercial Service had confirmed the balance of Rs. 8.16 crore. The reply is not tenable as the same has not been confirmed by the bank.

(b) This does not include Rs. 10.84 crore because of erroneous adoption of bank balances in respect of the expenditure bank accounts of 20 DDOs of PAO, AIR, New Delhi, resulting in understatement of bank balances with scheduled banks - on current accounts by the same extent. None of the 85 DDOs under the jurisdictions of PAO, AIR, New Delhi, have submitted bank reconciliation statements in respect of the bank accounts maintained by them. Prasar Bharati stated (November 2004) that the matter was under correspondence with the PAO, AIR, New Delhi.

B. Closing balance- Bank- other offices: Rs. 132.60 crore

In order to judge the accuracy or correctness of bank balances in books with the statement of accounts provided by the bank, the pass-book balance on any one date must tally with the balance shown by the bank columns of the cash book on the same date. Prasar Bharati had issued instructions vide its circular No. PB (B)(1)/DGM (B&A) dated 20.2.2001 and stressed on the need for preparation of Bank Reconciliation Statement on monthly basis and sending it with Receipt and Payments Accounts. Audit observed that none of the Pay and Accounts offices had submitted bank reconciliation statement for the year 2000-2001. As such the correctness of bank balances of Rs. 132.60 crore shown in the above accounts could not be verified in audit. Prasar Bharati stated (November 2004) that corrective measures would be taken.

C. Current Assets- Bank Balances- (b) Remittances to/ from Headquarters/ DDOs in transit: Rs. 19.11 crore

This included a minus figure of Rs. 1.40 crore shown under the head 'Receipt awaiting transfer to final head' on the receipt side of the Receipts and Payments Accounts of Prasar Bharati for the year ended 31.3.2001. This figure of (-) Rs. 1.40 crore shown under the above head pertained to the following PAOs and has been arrived at as under:

Name of the PAO	Head of Account	Amount (Rs.)
PAO, AIR, Chennai	Adjustment of Advance paid to DGS&D	(-) 1,53,56,010
PAO, AIR, Kolkata	-do-	(+) 13,40,542
Total		(-) 1,40,15,468

The non-clearance of these minus figures had resulted in overstatement of Current Assets-Remittances to/from HQ/DDO in transit by Rs. 1.40 crore. However, Prasar Bharati stated (November 2004) that the matter had been taken up with the concerned PAOs.

D. Loans/Advances-others: Rs. 60.29 lakh

This included advances of Rs. 59.93 lakh paid to other parties which included minus balances. This resulted into understatement of advances by Rs. 9.27 lakh. The PAO-wise details of minus balances is given below:-

(Rs.)

S. No.	Name of the PAO	Advances made during the year	Recoveries /adjustments during the year	Closing balances
1.	PAO,AIR, Chennai	6,10,804	11,83,515	(-) 5,72,711
2.	PAO, AIR Mumbai	-	3,53,957	(-) 3,53,957
	Total			(-) 9,26,668

Prasar Bharati stated (November 2004) that both the PAOs were being asked to reconcile the error.

E. Current Assets- Bank Balances- (a) with scheduled banks- On deposit account (Canara Bank): Rs. 64.48 crore

This included Rs. 43 crore invested by Prasar Bharati in the form of fixed deposits with Canara Bank. Prasar Bharati could not furnish records in support of the fixed deposit of Rs. 43 crore, nor could it furnish details of interest earned thereon. In the absence of which the fixed deposit of Rs. 43 crore depicted in the accounts could not be verified in audit. Besides, in the absence of details of interest earned on the investment of Rs. 43 crore, the possibility of understatement of income could not be ruled out. The above fixed deposit should have been shown separately as investment in the accounts of the Prasar Bharati.

F. Loans/ Advances- Suspense Account: Rs. 11.36 lakh (Schedule – II)

Break-up of the above amount was as under :-

(Rs.)

S. No.	Name of the PAO	Head of Account	Receipt	Payments
1.	PAO DD, Nagpur	Effect of Transfer entry	-	20,83,881/-
2.	-do-	-do-	9,48,085	-

The above booking was an erroneous adjustment made by the PAO, DD, Nagpur. Prasar Bharati stated (5.4.2004) that the matter has been taken-up with the concerned PAO and its final responses were awaited. Prasar Bharati stated (November 2004) that the corrections would be made in the financial statement of 2003-04 under 'Prior Period' item.

3. Income & Expenditure

3.1 Expenditure

ther Offices: (i) Cash :

3.1.1 Interest. Rs. 0

(i) This does not include Rs. 298.07 crore being the interest at the rate of 7 per cent accrued and due on 'Loan in Perpetuity' of Rs. 4258.08 crore granted by Union Government. Prasar Bharati has taken up the matter of waiver of interest with the Government vide Note 5 under Schedule 25 which is yet to be considered by the Government (November 2004). No provision has been made in the accounts for this item. This has resulted in understatement of liability by Rs. 298.07 crore and understatement of 'Excess of Expenditure over Income' to the same extent.

rasar Bharati st

(ii) This does not include Rs. 12.66 crore being the interest at the rate of 14.5 per cent accrued and due on loan of Rs. 139.30 crore received from Union Government. Prasar Bharati's request to make the loan interest free has not yet been considered by the Government (November 2004). No provision has been made in the accounts for this item. This has resulted in understatement of liability by Rs. 12.66 crore and understatement of 'Excess of expenditure over income' to the same extent.

Prasar Bharati stated (November 2004) that the matter for waiver of interest on capital had been taken up with the Ministry.

3.2 Income

Central Government- Nil

3.2.1 Grants/ Subsidies (Schedule 13)

As per the format of Income and Expenditure Account Statement approved by the Controller General of Accounts, the grants-in-aid received from the Union Government are required to be accounted as income of Prasar Bharati. However, grants-in-aid of Rs. 962.30 crore received during the year were treated as Corpus/Capital Fund instead of as income resulting in overstatement of 'Excess of expenditure over income' by Rs. 962.30 crore. The accounts of Prasar Bharati should have depicted 'excess of income over expenditure' of Rs. 419.98 crore instead of 'excess of expenditure over income' of Rs. 542.32 crore. Prasar Bharati stated (November 2004) that capital approach had been taken by crediting them directly to Corpus/Capital Fund, treating it in the nature of promoters' contribution. The deficit shown in the Income and Expenditure Account was, however, adjusted against Government grants. The reply of the Prasar Bharati is not tenable as grants received from the Government should have been taken as receipt.

4. Receipts & Payments

4.1 Receipts

4.1.1 Opening Balance- (a) Headquarters- Bank-(iv) Sports Accounts: Rs. 40.34 crore

Scrutiny of bank records for the year 2000-01 revealed that closing balance as per bank scrolls of Sports Account was Rs. 41.91 crore (Rs. 34.49 crore + Rs. 7.42 crore foreign currency of US Dollars 1625000) whereas the Receipts and Payments Accounts of Prasar Bharati for the year ended 31st March 2001 had depicted Rs. 40.34 crore as opening balance. Thus, the opening balance of Prasar Bharati pertaining to Sports Accounts was understated by Rs. 1.57 crore. Prasar Bharati stated (November 2004) that the bank reconciliation was under progress.

(Amount in Rs.)

32,96,91,102

4.1.2 Opening Balance- (b) Other Offices: (i) Cash : Rs. 5.65 crore

As Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India), was established under Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Act, 1990 and started functioning w.e.f. 1.4.2000, it had no opening cash balance in hand with its units as on 1.4.2000. Prasar Bharati in Note to the Receipts and Payments Account for the year 2000-01 had stated that some DDOs have wrongly taken the closing cash balance of Government accounts as opening balance as on 1.4.2000, and the matter had been taken up with the PAOs. Thus, wrong depiction of closing cash balance of Government account as opening balance as on 1.4.2000 resulted in overstatement of opening cash balance by Rs. 5.65 crore. Prasar Bharati stated (November 2004) that the matter was under correspondence with the PAOs.

4.2 Payments

4.2.1 Outstanding on account of transfers between Headquarters and other offices: (ii) DDOs (Release): Rs. 13.99 crore

This is the net difference between the amounts released by Budget section of Prasar Bharati during the year 2000-01 to various field units situated outside the Corporate Headquarters less their refunds made to the corporate headquarters and the consolidated total of the actual receipts booked by the field offices and intimated to the Corporate Headquarters. It was observed that the above difference had not been reconciled by the Corporate headquarters, in the absence of which the correctness of figures depicted in the Receipts and Payments Accounts could not be verified in audit. Prasar Bharati stated (November 2004) that in respect of the funds released at the fag end of the month of March each year, the amounts were credited by the bank in subsequent month which resulted in variation between the books of Headquarter with that of field units. This is bound to occur. However, the balance under the head 'remittance in transit' got reduced in the subsequent year.

4.2.2 Outstanding on account of Transfers between Headquarters and other offices: (iii) Receipts A/c: Rs. 6.25 crore

This is the net difference between the amounts actually booked as receipts by all the field units and reported to Corporate Headquarters and the amounts found remitted in the receipt account. It was observed during scrutiny of accounts of Prasar Bharati that this difference has not been reconciled by the Corporate Headquarters with field units, in the absence of which correctness of the figures depicted in the Receipts and Payments Accounts could not be verified in audit. Prasar Bharati stated (November 2004) that the funds released at the fag end of the month of March each year, were credited by the bank in subsequent month which results in variation between the books of Headquarter with that of field units. This is bound to occur. However, the balance under the head 'remittance in transit' got reduced in the subsequent year.

4.2.3 Differences of Rs. 3 lakh in the Receipt and Payments Accounts of PAO, AIR, Lucknow

Scrutiny of accounts of Prasar Bharati revealed a difference of Rs. 3 lakh in the Receipts and Payments Accounts of PAO, AIR, Lucknow for the year ended 31.3.2001. The total receipts and payments of the PAO were as under:-

(Amount in Rs.)

Total Receipt intimated by the PAO	32,96,91,102
Total Payments intimated by the PAO	32,93,91,202
Difference	**2,99,900**

Prasar Bharati stated (April 2004) that the difference was booked under the head 'Programme Service' after discussion with the PAO, AIR, Lucknow on telephone who informed that the amount pertained to 'Programme Service'. The PAO was asked to amend his record accordingly. Prasar Bharati has not obtained revised accounts/transfer entry in support of the above rectification from the PAO till the date of audit.

4.2.4 Non-depiction of bank accounts –Receipts Account and Expenditure Account separately in the accounts of Prasar Bharati

Every drawing and disbursing officer (DDO) under the jurisdiction of Prasar Bharati is required to maintain two separate bank accounts viz Receipt Account and Expenditure Account to manage their funds. While all the receipts of the DDOs (both commercial and non-commercial) is deposited into the Receipt Account which is ultimately remitted to the Receipt Account maintained at the corporate headquarters, the grants released by Prasar Bharati to the DDOs is deposited into the Expenditure Accounts and all payments is made therefrom. However, during the scrutiny of accounts of the Prasar Bharati for the year ended on 31st March 2001 revealed that bank balances lying under the Receipt and Expenditure Accounts of the field units had not been shown separately in the accounts. This resulted in the balances lying in the above accounts at the close of the financial year not being verified in audit. Prasar Bharati also could not furnish PAO-wise breakup of the amounts lying in these accounts. Prasar Bharati stated (November 2004) that the comments had been noted for future compliance.

4.2.5 Closing Bank balance- AIR Receipts: Rs. 1.49 crore

Prasar Bharati had neither maintained a cash book nor could it produce bank scrolls in respect of the above account. Consequently, the correctness of closing balance of Rs. 1.49 crore shown under the head 'AIR Receipt Account' could not be verified in audit.

4.2.6 Closing Balance- Bank- DD Receipts Accounts: Rs. 59.46 lakh

Prasar Bharati had neither maintained a cash book nor could it produce bank scrolls. Consequently, the correctness of closing balance of Rs. 59.46 lakh shown under the head 'DD Receipt Account' could not be verified in audit.

5. General

(i) As per Section 3(4) of Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Act, 1990, its general superintendence, direction and management of affairs vest in the Prasar Bharati Board which may exercise all such powers and do all such acts and things as may be exercised or done by Prasar Bharati under this Act.

It was observed in audit that Prasar Bharati does not have any accounting manual. There are also no distinctly documented internal control procedures to ensure cost efficient corporate governance.

(ii) As per Rule 116(1) of GFR, physical verification of assets should be conducted once in a year but Prasar Bharati did not have information on physical verification of assets by field units. In the absence of information of physical verification of assets, value of assets depicted in the accounts could not be verified in audit. Prasar Bharati stated (November 2004) that since the custodians of the assets are the field units, they have been authorised as per the existing arrangement to conduct physical verification as usual in the assets register. However, Prasar Bharati intended to get the annual report on this account and assured that the same would be reflected in notes on accounts in the future.

(iii) Prasar Bharati could not give a certificate to the effect that it was not holding any obsolete or unserviceable assets. Consequently, the correctness of the value of fixed assets of Rs. 4616.94 crore could not be verified in audit. Prasar Bharati stated (November 2004) that Heads of Offices have been delegated power to identify and dispose of the stores under their delegated powers. However, the fact remains that Prasar Bharati did not have any report/certificate to the effect that the heads of offices were not holding any obsolete or unserviceable assets.

6. Internal Audit

Prasar Bharati which has funds/assets worth several crore, and transacted its activities through around 600 DDOs and 12 P.A.Os does not have an Internal Audit wing to scrutinise the accounts/records of these units at regular intervals, to ensure economic, efficient and effective corporate governance. Prasar Bharati stated (November 2004) that the Ministry had been asked to provide manpower resources to activate the internal audit.

7. Format of Accounts

Significant Accounting Policies (Schedule 24)

A reference is invited to Accounting Policy No.1 regarding preparation of its financial statements on cash basis. Policy of the Prasar Bharati is not in consonance with the generally accepted accounting principles. Besides Uniform Format of Accounts prescribed by the Government of India, Ministry of Finance for Central Autonomous Bodies is also based on the principles of accrual system of accounting.

8. Unit records not produced

The accounts records of Doordarshan Commercial Services, New Delhi were not made available to audit. Records relating to consolidation of receipts and payments accounts of 65 DDOs were not available with PAO, Doordarshan, Soochana Bhawan, New Delhi.

The details relating to computer hardware and software that existed with or were utilised by Prasar Bharati corporate headquarters, AIR wing and Doordarshan wing during the year were not made available to audit. Consequently, this aspect could not be verified in audit.

9. **Effect of audit comments on Accounts**

The net impact of the comments given in preceding paragraphs is that assets as on 31.3.2001 were understated by Rs. 2.88 crore, liabilities understated by Rs. 317.60 crore and excess of expenditure over income was overstated by Rs. 652.29 crore.

Place : New Delhi
Dated : 20-1-05

Director General of Audit
Central Revenues

Audit Certificate

I have examined the Receipts and Payments Account, the Income and Expenditure Account for the year ending 31 March 2001 and the Balance Sheet as on 31 March 2001 of Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India), New Delhi. I have obtained all the information and explanations that I have required except the accounts records of Doordarshan Commercial Services, New Delhi and records relating to consolidation of Receipts and Payments accounts of 65 DDOs and subject to the clarifications furnished in notes attached to and forming part of the accounts and observations in the appended Audit Report which inter-alia contains the following major audit observations:

- Understatement of current liabilities by Rs. 7.39 crore due to inclusion of minus balances {Para 2.1.1.A, B & C (iv)};
- Overstatement of liabilities by Rs. 50.81 lakh and understatement of income by Rs. 71.25 lakh due to wrong treatment of rent/licence fee receipt for AIR headquarters {Para 2.1.1.C (ii)};
- Income Tax liability of Rs. 72.86 lakh and Rs. 18.93 crore not discharged {Para 2.1.1.C (i) & (iii)};
- Non-provision of interest on Govt. loans Rs. 310.73 crore (Para 2.1.1.D);
- Non-maintenance of central assets register {Para 2.2.1 (i)};
- Non-reconciliation of bank balances (Para 2.2.3);
- Understatement of income due to capitalisation of entire grant of Rs. 962.30 crore (Para 3.2.1);
- Accounting Policy No. I is not in consonance with the generally accepted accounting principles (Para 7);

I certify, as a result of my audit, that in my opinion these accounts and Balance Sheet are not properly drawn up and cannot be said to exhibit true and fair view of the state of affairs of Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India), New Delhi according to the best of information and explanations given to me and as shown by the books of the Prasar Bharati.

Place : New Delhi
Dated : ३०-१-०५

Director General of Audit
Central Revenues

Accounts 2000-01

PRASAR BHARATI (BROADCASTING CORPORATION OF INDIA)
BALANCE SHEET AS AT 31.03.01

CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES	Schedule No	Rs As at 31.03.01
Corpus/Capital Fund	1	1163324448
Reserves and Surplus	2	0
Earmarked/Endowment Funds	3	3588577477
Secured Loan	4	0
Unsecured Loan	5	43973802000
Deferred Credit Liabilities	6	0
Current Liabilities and Provisions	7	329888462
TOTAL		49055592387

ASSETS		
Fixed Assets	8	46169379477
Capital Work-in progress	8	0
Investments (i) Earmarked/Endowment Funds	9	0
(ii) Others	10	0
Current Assets, Loans and Advances	11	2886212910
Miscellaneous Expenditure		0
TOTAL		49055592387

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICES	24	
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25	

K.S.SARMA
CEO

S. SUNDERASAN
Member (Finance)

M. SRIDHARAN
General Manager (B&A)

Place: New Delhi
Dated

PRASAR BHARATI (BROADCASTING CORPORATION OF INDIA)
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 2000-01

	Schedule No.	Rs For the year ended 31.03.2001
INCOME		
Income from Sales/ Services	12	6239780013
Grants /subsidies	13	-
Fees/subscriptions	14	-
Income from Investments (income on investments from Earmarked/endow. Funds transferred to Funds)	15	-
Income from Royalty, Publications etc	16	-
Interest Earned	17	35281902
Other Income	18	-
Increase/(decrease) in stock of Finished Goods and WIP	19	-
TOTAL A		6275061915
EXPENDITURE		
Establishment Expenses	20	10119353731
Programme related Expenses	21	1578967662
Expenditure on Grants, subsidies etc	22	-
Interest	23	0
Depreciation		0
TOTAL B		11698321393
Balance being excess of Expenditure over Income (A-B)		-5423259478
BALANCE BEING DEFICIT CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND		-5423259478
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICES	24	
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25	

K.S.SARMA
CEO

S. SUNDERASAN
Member (Finance)

M. SRIDHARAN
General Manager (B&A)

Place: New Delhi
Dated

PRASAR BHARATI (BROADCASTING CORPORATION OF INDIA)
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.01

SCHEDULE 1- CORPUS/CAPITAL FUND:	Rs As at 31.03.01
Balance as at the beginning of the year (Refer Schedule 25, Note 3 of Notes to Accounts)	552112508
Add: Grants -In-Aid received during the year from Govt. Of India, Ministry of I&B -Plan	709600000
Add: Grants -In-Aid received during the year from Govt. Of India, Ministry of I&B-Non -Plan	8899362695
Add:Grants-In-Aid received during the year from Ministry of H&FW and other Ministries (Refer Schedule 25, Note 4 of Notes to Accounts)	14086200
Deduct: Transferred to Capital Assets Fund	3588577477
Deduct: Balance of net expenditure trasferred from the Income and Expenditure Account	-5423259478
BALANCE AS AT THE YEAR END	1163324448

SCHEDULE 2- RESERVES AND SURPLUS

1.Capital Reserve:	
As per last account	0
Additions during the years	
	0
2.General Reserve	
As per last account	0
Addition during the year	0
Less: Deductions during the year	0
	0

SCHEDULE 3- EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

CAPITAL ASSETS FUNDS	
a) Opening Balance of the funds	
b) Additions to the Funds:Amounts transferred from Corpus/Capital Fund for meeting Capital Expenditures/Advances	3588577477
NET BALANCE AS AT THE YEAR END (a+b)	3588577477

PRASAR BHARATI (BROADCASTING CORPORATION OF INDIA)
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.01

	Rs As at 31.03.01
SCHEDULE 4- SECURED LOANS AND BORROWINGS:	0
	0

SCHEDULE 5- UNSECURED LOANS

1.Loan In Perpetuity Interest accrued thereon being taken up for waiver(Refer Schedule 25, Note 5 of Notes to Accounts)	42580802000
2. Central Government Interest accrued and due thereon(Refer Schedule 25, Note 6 of Notes to Accounts)	1393000000
TOTAL	43973802000

Note: Amount due within one year (nil)

SCHEDULE 6- DEFERRED CREDIT LIABILITIES:

	0

SCHEDULE 7- CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

A. Current Liabilities	
Advances received- against deposit work	150298817
Deposits, earnest money, caution money/security deposits	9619663
Other current liabilities -salary and wages payable, expenses accrued, License fee payable, capital exp payable etc	169969982
Inter offices transactions accounts	
Total A	329888462
B Provisions	
Total B	
Total A+B	329888462

PRASAR BHARATI (BROADCASTING CORPORATION OF INDIA)
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.01

SCHEDULE 8- FIXED ASSETS

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				Depreciation		Net Block
	Cost as on Ist April'00	Additions/ Transfers from civil wings during the year	Deductions/ transfers/ disposal reclassification during the year	Cost at the year end	For the year	Cumulative upto to the year	As at 31st Mar' 2001
A. Fixed Assets							
1. Land							
2. Buildings							
Others							
3. Plant Machinery & Equipments							
a) Studios	14496992000	862615467		15359607467		0	15359607467
b) Transmitt	20458725000	2049537985		22508262985		0	22508262985
c) Others	143354000	4288787		147642787		0	147642787
4. Vehicles		307260		307260		0	307260
5. Furniture, Fixtures		6368069		6368069		0	6368069
6. Office Equipments		10011744		10011744		0	10011744
7 Other fixed assets							
Capital Ex	7481731000	655448165		8137179165		0	8137179165
schemes							
Total of Curre	42580802000	3588577477		46169379477	0	0	46169379477
B CAPITAL WORK-IN-PROGRESS							
Total(B)							0
TOTAL	42580802000	3588577477	0	46169379477	0	0	46169379477

Additions during the year include fixed assets aquired out of Grants from Govt Rs 3588577477

(Refer Schedule 25, Note 7 of Notes to Accounts)

PRASAR BHARATI (BROADCASTING CORPORATION OF INDIA)
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.01

SCHEDULE 9- INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	Rs As at 31.03.01
1. In Government Securities	0
2. Other approved securities	0
3. Other	0
Total	0

SCHEDULE 10- INVESTMENTS-OTHER	
1. In government Securities	0
2.Other approved securities	0
3. Others	0
Total	0

SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES ETC	
A. CURRENT ASSETS:	
Inventories	
Sundry Debtors	
Bills recoverable	
Cash Balance in hand	35137200
Bank Balances	
a) With Scheduled Banks	
on current accounts	661068659
on Collection accounts	20844012
on Deposit account(Canara Bank)	644786220
with various offices	1326004264
b) Remittances to/from HQ/DDOs in transit	191147648
Total(A)	2878988003
B. Loans/advances	
1. Loans/advances	
Staff	60039
Others	6029072
Suspense account	1135796
2.Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received	
On capital account	0
Prepayment	0
Others	0
3. Interest Accrued:	
On investments from Earmarked/endowment funds	0
On investments others	0
Others	0
4. Claims Receivables	0
Total (B)	7224907
Total (A)+(B)	2886212910

PRASAR BHARATI (BROADCASTING CORPORATION OF INDIA)
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31.03.01

SCHEDULE 12- INCOME FROM SALES/SERVICES

	Rs As at 31.03.01
Income from services	
Air, Commercial and DD	6239780013
Total	6239780013

SCHEDULE 13- GRANTS /SUBSIDIES

1) Central Government	0
2) Sate Government	0
	0
Total	0

SCHEDULE 14-FEES/SUBSCRIPTIONS

	0

SCHEDULE 15-INCOME FROM INVESTMENTS

	Investments from Earmarked Funds	Investment-others
Interest on Fixed Deposits		
Total		0

SCHEDULE 16-INCOME FROM ROYALTY,PUBLICATIONS ETC

	0

SCHEDULE 17 INTEREST EARNED

On Term Deposits with Scheduled Banks	35281902
	35281902

SCHEDULE 18- OTHER INCOME

	0

SCHEDULE 19- INCREASE(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WIP

	0

PRASAR BHARATI (BROADCASTING CORPORATION OF INDIA)
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31.03.01

SCHEDULE 20- ESTABLISHMENT AND OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES

	Rs As at 31.03.01 Plan	Rs As at 31.03.01 Non-Plan
Payment against GIA from other Ministries/Departments	0	3707847
Research and Training expenses	11037131	73481046
Direction and Administration expenses	59550588	393391069
Operation and Maintenance expense	162443624	2165879673
Planning & Development expenses	18111779	132360392
Programme Services expenses	1021601626	5512178001
Professional services paid	24676575	574323809
Advertisement and Publicity	2250934	432810
Bank Charges	0	422000
Pensioning charges	0	0
Stock consumed	0	6545256
Less: Capital expenditure charged to Fixed Assets	0	-43040429
TOTAL	1299672257	8819681474

SCHEDULE 21-PROGRAMME RELATED EXPENSES

	Plan	Non-Plan
Royalty	0	53778937
Payment to UNI/PTI	0	89596974
Commissioning of Programme Soft Wares expenses	10919000	1839965
Panam Satellite expenses	277741186	0
Sport Events Expenses	0	1145091600
Total	288660186	1290307476

SCHEDULE 22- EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC

-

SCHEDULE 23- INTEREST

Interest on Loan- Central Government	
Interest on Loan in Perpetuity	
Total interest	0

(Refer Schedule 25, Note 5 & 6 of Notes to Accounts)

PRASAR BHARATI (BROADCASTING CORPORATION OF INDIA)

SCHEDULES FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE YEAR ENDED 31.03.01

SCHEDULE 24 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. Method of accounting

   It is the policy of the corporation to prepare its financial statements on the cash receipts and disbursements basis. On this basis, revenue and the related assets are recognised when received rather than when earned, and expenses are recognised when paid rather than when the obligations is incurred.

2. Inventory Valuation

   Stores and Spares (including machinery spares) are valued at cost.

3. Fixed Assets

   Fixed assets are stated at transfer amount in respect of assets transferred to Prasar Bharati and the corresponding credit is to " Loan In Perpetuity".

   In respect of capital expenditure incurred on different schemes undertaken by AIR and DD, all related and associated expenses are capitalized.

   Transfer of Assets by the Central Government are subject to actual valuation and verifications.

4. Method of depreciation

   No Depreciation has been provided.

5. Foreign Currency Transactions

   Transaction in foreign currencies are accounted for at the prevailing exchange rates at the date of transactions.

PRASAR BHARATI (BROADCASTING CORPORATION OF INDIA)

SCHEDULES FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE YEAR ENDED 31.03.01

SCHEDULE 25 - NOTES ON ACCOUNTS & CONTINGENT LIABILITIES

NOTES ON ACCOUNTS

Accounts are Provisional subject to audit by CAG

1. Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) is established as general public utility institution and fall under the category of "Not-for-Profit Organization". Accordingly, based on Generally accepted accounting practices, and Section 145 of the Income Tax Act, it can follow either cash or mercantile systems of accounting.

   Considering the organization structure and prevalent past practices and the simplicity aspects, cash basis of accounting is adopted. Under this system revenue or grants or donations etc. are recognized when cash is collected. Similarly, expenditure on acquisition and maintenance of assets used in rendering of services as well as employees remuneration and other items are recorded when the related payments take place. The Income and Expenditure account and the Balance Sheet therefore, are based on the Cash Receipt and Payments.

   Referring the issue of applicability of the Accounting Standards in preparing the financial statements, the following points has been considered:
   - Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) has been established under the Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Act, 1990, and is not incorporated under Section 25 of the Companies Act.
   - The Accounting standards as issued by The Institute of Chartered Accountants of India ('ICAI') are mandatory on members of the Institute in the performance of their attest functions as per the relevant announcements made by the ICAI from time to time. The attest function of the Prasar Bharati Broadcasting Corporation is vested with CAG of India.

   Accordingly, the Accounting Policy 1 meets the disclosure requirement as far as method of preparation of financial statements is concerned.

2. Contingent Liabilities
   In respect of:
   - Bank Guarantees given by/on behalf of the Corporation : Rs 41327367
   - Letters of Credit opened by Bank on behalf of the Corporation : Rs 21.47 crores.

3. In Schedule 1 forming parts of the accounts, the balance as at the beginning of the year represents Bank/Cash Balances and Fixed Deposits with banks as on 1.4.2000.

4. In view to the fact that Central Government Grants are unspecified received for the purpose of maintaining, operating and creating the infrastructure of Prasar Bharati as Public Broadcasters, the 'Capital Approach' has been taken by crediting them directly to Corpus/Capital Fund, treating in the nature of promoters' contribution.

5. Loan in Perpetuity' granted by Government attracts interest @ 7%,(Rs 298,06,58,240). The matter is being taken up with the Government for waiver of Interest condition.

6. Interest on Loan from Government is @ 14.5% (Rs 12,65,68,083)as per the terms & conditions of the loan. However, a decision is pending by the Govt. on the request of the Corporation to make the loan interest free.

7. The amount of Fixed Assets transferred at book value to Prasar Bharati by the Central Government has been considered based on Chief Controller of Accounts' letter No CCA/I&B/2002 dated 3.09.02 and is also subject of physical verification and valuation.

8. Taxation
   Prasar Bharati was not liable to any Income Tax for the year and hence not provided for.

9. Employees' Retirement benefits
   As notification of transfer of employees to the Entity has not been issued as yet, no payments have been made on such account including pensionary charges.

10. Inter Office Transactions Accounts
    The difference in these accounts generally represent remittances in transit on the close of financial year, accordingly they are shown as such in the accounts.

11. Deposit Works
    Amounts received from parties for deposit work is after adjusting expenditures against such work.

12. CAG's fee for audit of accounts of Prasar Bharati has not been provided for as statutory Auditors have not advised.

13. Being the first accounting period for which accounts are prepared, figures for previous year are not available/given.

K.S. SARMA	S. SUNDERASAN	M. SRIDHARAN
CEO	Member (Finance)	General Manger (B&A)

Place : New Delhi
Date:

PRASAR BHARATI

BROADCASTING CORPORATION OF INDIA
BUDGET & ACCOUNTS WING
Receipts & Payments Account for the year 2000-01

		RECEIPTS	AMOUNT		PAYMENTS	AMOUNT			
						Non Plan	Plan	Total	
	1	To Opening balance		1	By Exp(Revenue A/c)				
					I)Direction &				
		(a) Head Quarter- Bank			Administration				
		(i) Main Branch	3000500						
		(ii) AIR Receipts			AIR	195255547	59550588	254806135	
		(iii) DD Receipts			DD	198135522		198135522	
Note-1		(iv) Sports A/c(CB-CA A/c-1657)	403376199		ii)Operation &			0	
Note-2		(v) FDR with Canara Bank	52505023		Maintanence			0	
		(b) Other Offices			AIR	815818481	17105280	832923761	
Note-3		I) Cash	56463379		DD	1350061192	145338344	1495399536	
		ii) Imprest	36767407		iii)Planning &			0	
					Development			0	
					AIR	132360392	18111779	150472171	
	2	Grants received			DD			0	
		I) M/o I&B	9608962695		iv)Programme Service			0	
		ii)M/o H&FW and other Ministries	14086200		AIR	3393707724	50890547	3444598271	
					DD	2118470277	970711079	3089181356	
					v)Research & Training			0	
	3	Loan from M/o I&B	1393000000		AIR	73481046	11037131	84518177	
	4	To Deposit received from other			DD			0	
		Deptt./parties for Deposit Work	150298817		LESS-Undisbursed Pay & Allowan	-108179		-108179	
		Outstanding on A/c of transfer	0					0	0
		I)Parsar Bharti A/c	0					0	
Note-4		ii) Inter Divisions/Kendras- transfers	25229140		vi)By Payments on			0	
					I)Professional Services			0	
					AIR	261528914	3455847	264984761	
Note-5	6	To receipts payable to Govt.(GPF,Long t	164780510		DD	312794895	21220728	334015623	
		advances recoverd from pay bills)			ii)Royalty			0	
	7	To Prasar Bharti Revenue			AIR	23341657		23341657	
		(a)AIR			DD	30437280		30437280	
		(i)Commercial,	549881192		iii)Advetisement & Publicity			0	

					AIR	432810	2250934	2683744	
					DD			0	
					iv)Payment to UNI/PTI			0	
					AIR	89596974		89596974	
					DD			0	
					v)Commissioning of programme(S/w)			0	
					AIR	1577835		1577835	
					DD	262130	10919000	11181130	
					vi)Panam satellite			0	
					AIR			0	
					DD		277741186	277741186	
					vii)Sports event			0	
					AIR			0	
					DD	1145091600		1145091600	11730578540
		(ii)Non-Commercial,	31688214	2	Total (Revenue)	10142246097	1588332443		
		(b)DD			By Exp(Capital A/c)			0	
		(i)Commercial	5651904036		I)Machinery & Equipment			0	
		(ii)Non-Commercial	6306571		AIR		718471	718471	
	8	To Prasar Bharti other Receipts			DD		3110127	3110127	
		I)Rent /LF for AIR Qrs.	7125046		ii)Continuing Schemes			0	
					a)Studio			0	
					AIR		8500303	8500303	
					DD		20892742	20892742	
					b)Transmitters			0	
					AIR		79918904	79918904	
Note-6	9	Receipts awaiting transfer to final head:	-14015468		DD		131866025	131866025	
					c)Composite			0	
	10	Security Deposit/EMD	9619663		AIR		22112150	22112150	
					DD		25735031	25735031	
	11	Interest on fixed Deposit	35281902		d)Misc. Work Schemes			0	
					AIR		11570807	11570807	
					DD		6509172	6509172	
					iii)New Schemes			0	
					a)Studio			0	
					AIR		86334633	86334633	
					DD		607742473	607742473	
					b)Transmitters			0	
					AIR		330809248	330809248	

					DD			739026940	739026940	
					c)Composite				0	
					AIR			43215686	43215686	
					DD				0	
					d)Misc. Work Schemes				0	
					AIR			57384714	57384714	
					DD			337371999	337371999	
									0	
					iv)Establishments				0	
					AIR			194335680	194335680	
					DD			179567457	179567457	
									0	
				3	By Arbitration Payments				0	
					AIR			897690	897690	
					DD			12691261	12691261	
									0	
				4	J&K Package				0	
					AIR			146407524	146407524	
					DD			510508954	510508954	
					Total(Capital)	0		3557227991	0	3557227991
				5	I)By Exp on Stock	-5145687			-5145687	
									0	
				6	Outstanding on A/c to tranfers				0	
					between HQ & ather offices.					
					I)Division				0	
					ii)D.D.Os(Release)	139883448			139883448	
					iii) Receipt Account	62477872			62477872	
									0	
				7	By other Misc. Payments				0	
					I)Advance Payment to				0	
					a)DGS&D				0	
					b)PSU	35897			35897	
					c)Other Parties	5993175			5993175	

					d)Other charges			0	
					e)Advance to Staff	60039		60039	
					f)Effect of T.E.	1135796		1135796	
					ii)(a)Deduction from pay bill			0	
					deposited in Govt. A/c			0	
					iii)By refund of S.Deposit/EMD			0	
								0	
				8	Payment out of Deposit Work			0	
				9	Pymnt agnst G-I-A from other Mnsty/Deptt			0	
					a)UNICEF		173246	173246	
					b)Family Welfare		3534601	3534601	
								0	
				10	Remittance of L.F. AirQr.	2043753		2043753	
								0	
				11	Bank Charges	422000		422000	
								0	
				12	By closing balance			0	
					Bank			0	
					(i) Head Qrs.	579493805		579493805	
					(ii) sports accounts(CB-CA A/c-1	81574854		81574854	
					(iii) AIR Receipt A/c	14898357		14898357	
					(iv) DD Receipt A/C	5945655		5945655	
					(v) deposit with CB	644786220		644786220	
					Other Offices	1326004264		1326004264	
					I)Cash	7019862		7019862	
					ii)Cash Imprest	28117338		28117338	
		Totals	18186261026	totals				18186261026	0

59

0

Note:1 Opening Balance of $1625000 lying in foreign exchange has been converted into rupee @ Rs.45,64 per US $.

Note:2 Item 1(a)(v) represents maturity of FDR made before 1.4.2000

Note:3 Some of the DDO's have wrongly taken the closing Cash Balance of Govt. account as Opening Balance in PB A/c. The matter has been taken up with the PAOs

who in turn have asked DDOs to furnish the factual position. The final replies from them is still awaited.

Note:4 Item 5(ii) on receipt side is unreconciled figures. The matter taken up with concerned DDOs.

Note:5 Item 6 on receipt side represents recoveries made from pay bills which could not be remitted to Govt. due to late submission of accounts by some DDOs. This amount has since been remitted in year 2001-02.

Note:6 This represents misclassification in account. The matter has been taken up with PAO(AIR), Chennai. Final reply/correction is still awaited

Note:7 It represents, misclassification in account. The matter is under correspondence with the PAO(AIR), Mumbai, Calcutta & Chennai. Final comments/rectification is still awaited.

Note:8 Item 6(ii) on payment side represents unreconciled difference between the amount released by HQ with that shown by the DDOs as received from HQ in their account. This could be the amount released but accounted for by the DDOs in the next financial year. The matter is under correspondence with PAO, DD

Note:9 This amount indicates unreconciled figures of commercial receipts transferred by various offices of AIR/DD and the amounts realised in the PB Hq A/c. The matter

K.S.SARMA
CEO

S.SUNDERASAN
Member (Finance)

M.SRIDHARAN
General Manager (B&A)

09